साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 40 | जौनपुर, गुरूवार, 26 सितम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

बीएसएनएल का 5जी ट्रायल शुरू, यूजर्स को जल्द मिलेंगी सुविधाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी टेलीकॉम कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) जल्द अपनी 5–जी सेवाएं शुरू करेगी। बीएसएनएल अपने नेटवर्क को फास्ट और अफोर्डेबल करने के लिए एडवांस 4जी और 5जी में शिफ्ट करने पर लगा हुआ है। सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल ने 5जी नेटवर्क का ट्रायल शुरू कर दिया है। बीएस एनएल का ये फैसला सरकारी टेलीकॉम सेक्टर के लिए अहम कदम साबित हो सकता है। हाल ही में स्वदेशी कंपनी बीएसएनएल ने कई जगहों पर अपने 5जी नेटवर्क की टेस्टिंग शुरू कर दी है। इसके लिए कंपनी ने कई सारे टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ पार्टनरशिप की है। इनमें लेखा वायरलेस, वीवीडीएन टेक्नोलॉजीज, गैलोर नेटवर्क्स और वाईसिग जैसी घरेलू दूरसंचार कंपनियां शामिल हैं। इस ट्रायल से सरकारी कंपनी बीएसएनएल को अपने 5जी नेटवर्क को कमर्शियल लॉन्च करने पर लागत में कमी आने की उम्मीद है। बीएसएनएल ने राजधानी दिल्ली के मिंटो रोड और चाणक्यपुर क्षेत्र में अपना 5जी ट्रायल नेटवर्क स्थापित किया गया है। बीएसएनएल का ट्रायल आईआईटी दिल्ली समेत तमाम लोकेशन पर किया जा रहा है।

सीएम योगी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा मजबूती के साथ देश का विकास कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय का चिंतन मनन आज भी भारतीय लोकतंत्र के लिए प्रासंगिक है। पंडित दीनदयाल के कारण ही गांव, गरीब, किसान और महिलाएं राजनीतिक दलों के एजेंडे में शामिल हुए। पंडित जी ने 60–70 साल पहले जो जीवन दर्शन अपने

विचारों के माध्यम से भारतीय राजनीति को दिशा दी वह भारतीय लोकतंत्र के लिए बल्कि राजनीतिक दलों के द्वारा शुरू किए गए कार्यक्रम देखने को मिलता है। उनके चिंतन में गांव, गरीब महिला को स्वावलंबन के मार्ग के रूप में अग्रसर करने के लिए सहानुभूति दी है। हर हाथ को काम हो, हर खेत को पानी हो, आर्थिक प्रगति का पैमाना ऊंचे पायदान पर चढ़े हुए व्यक्ति से नहीं बल्कि सबसे नीचे खड़े हुए व्यक्ति के माध्यम से किया जाना चाहिए। यह दिशा आज से 70 साल पहले पंडित जी ने दी थी। सीएम योगी ने कहा कि देश में 80 करोड़ लोग फ्री में राशन का लाभ ले रहे हैं। 10 करोड़ लोगों को उज्जवला योजना का लाभ मिल रहा है। पीएम मोदी के विजन को जमीन पर उतार रहे हैं। भाजपा सबसे बड़ा राजनीतिक दल के रूप में काम कर रहा है। महानगर की टीम को बधाई देता हूं। सीएम ने कहा पीएम मोदी कहते हैं, बूथ जीता तो चुनाव जीता। इसके साथ ही भाजपा ने आज से ही बूथ स्तर पर सदस्यता का महाअभियान प्रारंभ कर दिया है। मैं पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए प्रदेश की जनता की ओर से उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। एक ओर जहां पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर हम उनका स्मरण कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर भाजपा ने पंडित जी की जयंती को अपने सदस्यता अभियान की तिथि के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस मौके पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक यूपी भाजपा के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी मौजूद रहे। सीएम योगी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने सदस्यता अभियान के तहत लोगों को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि राष्ट्रनायक दिन दयाल उपाध्याय जी का जन्मदिन है। लाखों को प्रेरणा देता है। हमारी सरकारें समाज के कमजोर वर्गों के लिए काम कर रही है। बदलता परिवेश सामने है। सदस्यता अभियान का महापर्व है। घर–घर जाकर लोगों को पार्टी से जोड़ने का काम करना है।

बीजेपी राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव को कमजोर करने का काम कर रही – सोरेन

झारखंड, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तुलना चूहों से की और चुनावी लाभ के लिए राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव को कमजोर करने का आरोप लगाया। रांची से एक रैली को वर्चुअल तरीके से संबोधित करते हुए सोरेन ने दावा किया कि भाजपा झारखंड में हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच मतभेद पैदा कर रही है और उन्होंने इसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की संलिप्तता की ओर इशारा किया। सोरेन ने साहिबगंज के भोगनाडीह में रैली के दौरान कहा आरएसएस राज्य पर चूहों की तरह आक्रमण कर रहा है और इसे नष्ट कर रहा है। सोरेन ने कहा कि आप देखें कि ये ताकतें हंडिया और दारू (स्थानीय रूप से बनाई गई शराब) लेकर आपके गांवों में घुस रही हैं, तो उन्हें भगा दें। वे राजनीतिक लाभ के लिए चुनावों से पहले सांप्रदायिक अशांति और तनाव पैदा करना चाहते हैं। सोरेन ने मंदिरों और मस्जिदों में मांस फेंकने जैसी भड़काऊ घटनाओं की चेतावनी दी। उन्होंने भाजपा को व्यापारियों और उद्योगपतियों की पार्टी बताया और आरोप लगाया कि भाजपा अपने एजेंडे को पूरा करने के लिए राजनीतिक नेताओं को खरीद रही है।

जब भी आपको मेरी जरूरत पड़े.. आपको सिर्फ बुलाना है और मैं हाजिर हो जाऊंगा – राहुल गांधी

जम्मू–कश्मीर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के सोपोर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता राहुल गांधी ने भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा कि हम चाहते थे कि चुनाव से पहले राज्य का दर्जा बहाल हो जाए। जम्मू–कश्मीर के सभी लोग चाहते थे कि राज्य का दर्जा बहाल होने के बाद चुनाव हों। ऐसा नहीं हुआ, पहला कदम चुनाव है। लेकिन इसके बाद जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करना होगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसके लिए इंडिया अलायंस संसद में पीएम मोदी पर दबाव बनाएगा। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो केंद्र में इंडिया एलायंस की सरकार बनते ही हम आपका राज्य का दर्जा बहाल कर देंगे। राहुल ने लोगों से कहा कि अगर हम चाहते हैं कि यह सेब अमेरिका और जापान तक पहुंचे, तो राज्य का दर्जा बहाल करना होगा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि बीजेपी–आरएसएस के लोग पूरे देश में नफरत और हिंसा फैलाते हैं। तभी हमने कन्याकुमारी से कश्मीर तक श्भारत जोड़ो यात्राश् की। हमने उन्हें इस यात्रा से संदेश दिया किरू अगर आप नफरत का बाजार खोल सकते हैं, तो हम मोहब्बत की दुकान खोल सकते हैं, क्योंकि ये भाईचारे और मोहब्बत का देश है। ये देश सबका है और यहां सबकी इज्जत होनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने साफ तौर पर कहा कि मेरा आपका रिश्ता राजनीतिक नहीं है।

परिवारवाद से मुक्त हो रहा देश - पीएम मोदी

हरियाणा, एजेंसी। हरियाणा में चुनावी प्रचार तेज हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज हरियाणा के सोनीपत में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान मोदी ने हुंकार भरते हुए साफ तौर पर कहा कि हरियाणा है तैयार, फिर एक बार भाजपा सरकार। नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन के शुरूआत में कहा कि सोनीपत की धरती से महान सपूत सर छोटू राम को प्रणाम करता हूं, उनका जीवन किसानों और वंचितों के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि आज 25 सितंबर, हमारे पथ प्रदर्शक पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की जयंती है, गरीबों की सेवा के लिए उन्होंने जो रास्ता दिखाया वह हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए संकल्प पथ की तरह है। मोदी ने यह भी कहा कि आज जम्मू कश्मीर में दूसरे चरण का मतदान भी हो रहा है। ये मतदान शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। लोग सुबह से ही वोट डालने के लिए कतारों में लग गए हैं। पहले चरण में जिस तरह जम्मू कश्मीर में मतदान का रिकॉर्ड टूटा, वो भी दुनिया ने देखा। मैं जम्मू कश्मीर के लोगों की सराहना करूंगा, उन्हें बधाई दूंगा कि वे लोकतंत्र के इस पर्व में उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि जैसे–जैसे मतदान का दिन नजदीक आ रहा है, कांग्रेस की उम्मीदें टूटती जा रही हैं। हरियाणा में बीजेपी के प्रति समर्थन दिन–ब–दिन बढ़ता जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि पूरा हरियाणा कह रहा है फिर एक बार बीजेपी

सरकार। मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार में हरियाणा आज खेती और उद्योग, दोनों मामलों में देश के टॉप राज्यों में अपनी जगह बना रहा है। जब औद्योगिकरण बढ़ता है, तो इसका सबसे अधिक फायदा गरीब, किसान और दलित को होता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर मानते थे कि दलितों के सशक्तिकरण में उद्योगों की बड़ी भूमिका होती है। वे देखते थे कि गरीबों, दलितों, वंचितों के पास पर्याप्त जमीन नहीं होती। बहुत से गरीब साथी भूमिहीन होते थे और मजदूरी करके अपनी जिंदगी काटते थे। इसलिए बाबा साहेब कहते थे कि जब फैक्ट्रियां लगती हैं।

सीएम योगी घटना घटने का नहीं करते इंतजार, फौरन लेते हैं निर्णय – दिनेश शर्मा

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता दिनेश शर्मा ने बुधवार को खाने की दुकानों पर नेम प्लेट लगाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर बयान दिया। उन्होंने कहा, "यह एक संवेदनशील मुख्यमंत्री का समसामयिक निर्णय है। मुख्यमंत्री जी घटना घटने का इंतजार नहीं करते, बल्कि घटना न घटे, इसके लिए प्रयोजन करते हैं। अभी दिवाली है, नवरात्रि है, दशहरा है, भैया दूज है, इन त्योहारों में आस्था से खिलवाड़ ना हो। यह एक जिम्मेदार सरकार का दायित्व है और उस दायित्व का निर्वहन मुख्यमंत्री जी कर रहे हैं।" लखनऊ के सरोजनी नगर में 14 साल की नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म के प्रकरण पर उन्होंने कहा, "पुलिस के पास ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का पूरा फार्मूला है। मैं समझता हूं कि प्रदेश में सतर्क प्रशासन है। अपराधी अपराध तो कर देगा, लेकिन पुलिस प्रशासन की तरफ से उसके खिलाफ ऐसी कार्रवाई की जाएगी कि उसकी तीन पीढ़ियां तक याद रखेंगी।" उन्होंने अखिलेश यादव पर भी निशाना साधते हुए कहा, "विपक्ष को पुलिस पर सवाल उठाने से पहले एक बार जरा आरोपी के बारे में भी दो शब्द बोल देना चाहिए। क्या जाली नोट छापने वालों को ये लोग अपना मानते हैं? क्या जाली नोट छापने वालों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं होनी चाहिए? विपक्ष को इन सभी सवालों का जवाब देना चाहिए। नोएडा में आयोजित ट्रेड शो पर दिनेश अब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि उत्तर प्रदेश अब एक उद्यम प्रदेश के रूप में उभरकर सामने आ रहा है।

सीएम धामी ने अधिकारियों को आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सुविधाएं सामान्य करने के लिए निर्देश दिए

उत्तराखंड, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को अधिकारियों को राज्य के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सभी सुविधाएं सामान्य बनाने के निर्देश दिए। सीएम धामी ने कहा कि सचिवों, विभागाध्यक्षों एवं सभी स्तर पर पुनर्निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि जो कार्य पूरे हो चुके हैं, उनका भौतिक सत्यापन किया जाए। जो सड़कें अभी बंद हैं, उन्हें भी जल्द से जल्द पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी विभागों के सहयोग से संबंधित कार्यों का समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्र में नुकसान का आकलन कर मानकों के अनुसार काम किया जाना चाहिए। सभी स्मारकों को अपने प्रोटोटाइप को आदर्श जिला बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। जिन

आदिवासियों से लोगों को मिलना है, उनसे व्यापारिक प्रक्रिया भी जल्द पूरी की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जिले के विभिन्न स्मारकों का नियमित निरीक्षण करें। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे बरसात के बाद जल जनित बीमारियों से निजात दिलाने के लिए भी समुचित प्रबंध सुनिश्चित करें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को जल जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नियमित जागरूकता अभियान चलाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जा रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सफाई व्यवस्था के साथ–साथ सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर निगमों में आंतरिक सफाई और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। पूर्व विज्ञप्ति के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024–25 में राज्य में प्राकृतिक आपदा से सुरक्षा के लिए कुल 427.87 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए हैं। इसमें से 386.87 करोड़ रुपये राज्य आपदा राहत कोष से, 15 करोड़ रुपये राज्य सेक्टर गैर–आवश्यक निधि से तथा 26 करोड़ रुपये राज्य सेक्टर गैर–आवश्यक अचल सम्पदा से जारी किये गये हैं।

जनता के अपार जनसमर्थन की बदौलत फिर बनेगी डबल इंजन की सरकार – सैनी

लाडवा विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार और राज्य के वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया है। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि पूरे राज्य में बीजेपी को अपार जन समर्थन मिल रहा है और आगामी 8 अक्टूबर को भाजपा निश्चित रूप से लगातार तीसरी बार डबल इंजन की सरकार बनाएगी। कांग्रेस पर आरोपी की बौछार करते हुए उन्होंने बताया कि कांग्रेस झूठे लोगों की पार्टी है। इसके बारे में देश की जनता अच्छी तरह से जान चुकी है, उसका काम सिर्फ लूट और खसोट की राजनीति ही करना है। भाजपा नेता ने विश्वास जताया कि इस चुनाव में राज्य की जनता विपक्षी कांग्रेस को हरियाणा से बाहर निकाल देगी। इसके साथ ही सैनी ने कहा कि हमेशा से ही लोगों का प्यार, साथ और सहयोग भारतीय जनता पार्टी के साथ रहा है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा को लेकर उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार का 2 महीने का कामकाज हुड्डा सरकार के 10 साल के कार्यकाल पर भी भारी है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोलते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि केजरीवाल भ्रष्टाचार के एक गहरे दलदल में फंस चुके हैं और अब दिल्ली में आप के संयोजक का पूरी तरह से पर्दाफाश हो चुका है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा जीती गई पांच सीटों को उन्होंने झूठ की राजनीति की बदौलत जीती हुई सीटें करार दिया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में राज्य की जनता उनके झांसे में आने वाली नहीं है।

सीएम आतिशी ने दिल्लीवालों को दिया तोहफा, बढ़ा दी वर्कर्स की मिनिमम वेज

नई दिल्ली, एजेंसी। कार्यभार संभालने के दो दिन बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने बुधवार को अकुशल के लिए न्यूनतम वेतन

18,066 रुपये, अर्ध–कुशल के लिए 19,929 रुपये और कुशल श्रमिकों के लिए 21,917 रुपये की घोषणा की। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, आतिशी ने कहा कि अच्छी बिजली, पानी, स्कूल और अस्पतालों की बुनियादी सुविधाओं के अलावा, दिल्ली सरकार ने एक ऐतिहासिक काम किया है जो पूरे देश में संभव नहीं था, वह है उच्चतम न्यूनतम मजदूरी प्रदान करना। दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा कि यदि आप देश में प्रदान की जाने वाली न्यूनतम मजदूरी को देखें, तो आप देखेंगे कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने सबसे अधिक मजदूरी प्रदान की है। गरीबों और दिहाड़ी मजदूरी पर काम करने वाले जैसे मजदूर, प्लंबर आदि को न्यूनतम मजदूरी मिलती है। इनका शोषण रोकने के लिए दिल्ली सरकार ने न्यूनतम मजदूरी को ऐतिहासिक स्तर पर पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि देशभर में न्यूनतम मजदूरी पर नजर डालें तो अरविंद केजरीवाल की सरकार ने देश में सबसे ज्यादा न्यूनतम मजदूरी दी है। आप नेता ने कहा कि गरीबों का शोषण रोकने के लिए दिल्ली सरकार ने न्यूनतम वेतन को ऐतिहासिक स्तर पर पहुंचाया है। बीजेपी ने हमेशा गरीबों के खिलाफ काम किया है।

बाढ़ से प्रभावित चार लाख लोगों को राहत प्रदान करने के लिए 602 करोड़ रुपये जमा कराये गये – सीएम नायडू

विजयवाड़ा एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित करीब चार लाख लोगों को राहत प्रदान करने के लिए 602 करोड़ रुपये की राशि जमा कराई गई है। उन्होंने कहा कि इस आपदा से अनुमानित 7,600 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। नायडू के मुताबिक, हाल ही में आई बाढ़, अतीत में आए चक्रवातों सहित किसी भी अन्य प्राकृतिक आपदा से अलग थी और इससे सार्वजनिक व निजी दोनों तरह की संपत्तियों को भारी नुकसान हुआ। नायडू ने एनटीआर जिलाधिकारी कार्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, "बाढ़ राहत के तौर पर 602 करोड़ रुपये चार लाख लोगों के खातों में सीधे जमा किए गए हैं। कुल नुकसान 7,600 करोड़ रुपये आंका गया है, जिसमें सार्वजनिक और निजी संपत्तियां शामिल हैं।" उन्होंने बताया कि इसके अलावा मुख्यमंत्री राहत कोष में 400 करोड़ रुपये का योगदान प्राप्त हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दानदाताओं ने सरकारी तंत्र के राहत प्रयासों के प्रति उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दिखाई है। उन्होंने अधिकारियों को संबोधित करते हुए दावा किया था, "लोगों ने उत्साह पूर्वक प्रतिक्रिया दिखाई है। मुख्यमंत्री राहत कोष में 400 करोड़ रुपये दान के रूप में आए, किसी अन्य राज्य को इतना दान नहीं मिला होगा। यह सबसे अधिक है।" मुख्यमंत्री के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा बनाए गए विश्वास की वजह से लोग इतनी बड़ी राशि दान करने के लिए आगे आए।

जम्मू-कश्मीर में वातावरण अच्छा है, भाजपा की सरकार बन रही - सीएम मोहन यादव

भोपाल, एजेंसी। जम्मू– कश्मीर में विधानसभा चुनाव के तहत दूसरे चरण के लिए मतदान किया जा रहा है। सुबह से ही वोटरों की लंबी–लंबी कतारें मतदान केंद्रों पर देखने को मिल रही हैं। लोगों में वोट देने के लिए गजब का उत्साह है। विधानसभा चुनाव लड़ रहे राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी वोटरों से वोट देने की अपील की है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्आज जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान हो रहा है। मैं अपने सभी मतदाता भाई–बहनों और युवाओं से अपील करता हूं कि अपने नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करें और अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें, ताकि जम्मू–कश्मीर के नवनिर्माण का सपना साकार और आपके साथ आपके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो सके। आज जम्मू–कश्मीर के

विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान है। मैं अपने सभी मतदाता भाई–बहनों और युवाओं से अपील करता हूं कि अपने नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करें और अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें, वहीं, भोपाल में मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, जम्मू–कश्मीर में लगभग 10 साल बाद चुनाव हो रहे हैं। वहां मैंने चुनावी सभाएं की हैं। मैं कह सकता हूं कि वहां अच्छा वातावरण बना हुआ है।

संपादकीय

वन इलेक्शन योजना

कुछ ऐसी चुनौतियों पर विचार करें, जिन्हें एक साथ चुनाव कराने के लिए दूर करना होगा – इस महीने की शुरुआत में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकार किया गया एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रस्ताव। इसमें लोकसभा की 545 सीटों और 28 राज्यों और नौ केंद्र शासित प्रदेशों की 4,123 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव शामिल होंगे। अगर आप इसे आसान काम से कहीं बढ़कर मानते हैं, तो इसमें 31 लाख से ज़्यादा पंचायत सीटें, 4,852 शहरी स्थानीय निकायों के लिए हजारों सीटें जोड़ दें, और आपको पता चल जाएगा कि काम कितना बड़ा है। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' रिपोर्ट अपने मौजूदा स्वरूप में अव्यावहारिक है और भविष्य में एक मजबूत केंद्र के पक्ष में संघवाद को नुकसान पहुंचा सकती है।इसके निहितार्थ इतने बड़े हैं कि चाहे कितना भी अनिच्छुक क्यों न हो, केंद्र में सत्तारूढ़ गठबंधन को आम सहमति बनाने के लिए विपक्षी दलों के साथ परामर्श के लिए चौनल खोलने होंगे। तभी यह प्रावधान संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किया जा सकता है। रामनाथ कोविंद की अगुआई वाली समिति ने इस साल की शुरुआत में एक साथ चुनाव कराने पर अपनी रिपोर्ट पेश की थी। इस समिति ने कई अन्य मुद्दे भी उठाए हैं। इनमें से एक है अविश्वास प्रस्ताव की स्थिति में केंद्र सरकार का गिरना। चुनाव होंगे और सरकार केवल शेष कार्यकाल तक ही सत्ता में रहेगी, भले ही सत्तारूढ़ पार्टी को बहुमत क्यों न मिल जाए। क्या यह एक व्यवहार्य विचार है? इससे कितना बड़ा नुकसान होगा? एक बड़ी चिंता, हालांकि विपक्षी दल इस पर बहुत ज्यादा नहीं बोले हैं, संघवाद पर पड़ने वाला असर है। एक साथ चुनाव कराने से स्थानीय मुद्दों की कीमत पर राष्ट्रीय मुद्दों का बोलबाला हो जाएगा। अगर स्थानीय मुद्दों को उजागर करने की कोशिश भी की गई, तो वे राष्ट्रीय मुद्दों के शोर में दब जाएंगे। इससे क्षेत्रीय दलों की कीमत पर राष्ट्रीय दलों को फायदा हो सकता है। कोविंद की रिपोर्ट में राष्ट्रपति की अधिसूचना का समर्थन किया गया है, जिसमें एक साथ चुनाव शुरू करने के लिए एक शनियत तिथिश होगी। यह 2029 में होने की संभावना है। जबकि वर्तमान लोकसभा तब तक अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा कर लेगी, सभी राज्य विधानसभाओं को भंग करना होगा। अब, संविधान कहता है कि लोगों का जनादेश पांच साल के लिए होगा जब तक कि सरकार अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से गिर न जाए और विधानसभा भंग न हो जाए। कर्नाटक, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित 10 राज्य ऐसे होंगे जो 2028 में पांच साल पूरे करेंगे। उन्हें एक साल के भीतर फिर से लोगों का सामना करना पड़ेगा। 17 राज्यों को अपने गठन के दो, तीन या चार साल के भीतर चुनाव कराने होंगे। इनमें उत्तर प्रदेश, पंजाब, गुजरात, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल आदि शामिल हैं। यदि कोविंद की पूरी कवायद का उद्देश्य मुख्य रूप से व्यय को नियंत्रित करना है, तो इससे क्या मदद मिलेगी? एक और बिंदुरू क्या रिपोर्ट में जिस मौद्रिक और रसद लाभों पर जोर दिया गया है, उसे भारतीय संविधान के संघीय ढांचे और लोकतांत्रिक लोकाचार पर हावी होना चाहिए? एक तर्क यह है कि बार–बार चुनाव होने से मतदाताओं को विभिन्न मुद्दों पर नियमित रूप से अपने विचार व्यक्त करने में मदद मिलेगी। उनकी राय इस बात का प्रतिबिंब है कि सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान कैसा प्रदर्शन किया। समकालिक चुनाव इसे विफल कर देंगे। क्या नए प्रस्ताव से विपक्षी दलों की ओर से सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने में अनिच्छा पैदा होगी? आवश्यक संशोधनों की संख्या पर कोई स्पष्टता नहीं है। कोविंद समिति का कहना है कि समकालिक चुनाव के लिए 15 संवैधानिक संशोधनों सहित 18 संशोधनों की आवश्यकता होगी। हालांकि, यह देखना बाकी है कि केंद्र संवैधानिक संशोधनों की संख्या कम करता है या नहीं, क्योंकि उन्हें पारित कराना बहुत जटिल है। जबकि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के एक साथ चुनाव कराने के लिए संसदीय मंजूरी की आवश्यकता होती है, समकालिक चुनाव के 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराने के लिए आधे राज्य विधानसभाओं की सहमति की आवश्यकता होती है। जबकि लोकसभा और विधानसभा चुनाव भारत के चुनाव आयोग की जिम्मेदारी होगी, स्थानीय निकायों के चुनाव राज्य चुनाव आयोगों की देखरेख में होंगे। खंडित लोकसभा में सर्वसम्मति बनाना एनडीए सरकार के लिए एक और चुनौती होगी। पर्याप्त संख्या में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें सुनिश्चित करना एक बहुत बड़ा काम होगा। समिति का कहना है कि चुनाव आयोग ने आश्वासन दिया है कि वह वास्तव में एक साथ चुनाव करा सकता है, हालांकि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों और मतदान केंद्रों की संख्या, आवश्यक कर्मियों की संख्या, आवश्यक प्रशिक्षण की तरह, आवश्यक सुरक्षा बलों और एक स्थान से दूसरे स्थान पर उनके स्थानांतरण पर कोई स्पष्टता नहीं है – ये सभी आगे आने वाले विशाल कार्य की ओर इशारा करते हैं। क्या भारत वास्तव में इसके लिए तैयार है? यह देखना दिलचस्प होगा कि अगर प्रस्ताव को वास्तव में हरी झंडी मिल जाती है, तो चुनाव आयोग एक साथ चुनाव कराने के लिए कितने चरणों का पालन करेगा। नवीनतम प्रयास में लोकसभा और चार राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव कराने के लिए सात चरणों की आवश्यकता थी। साथ ही, चुनाव आयोग सितंबर–अक्टूबर 2024 में चार राज्यों में एक साथ चुनाव भी नहीं करा सकता। इसने पहले जम्मू और कश्मीर और हरियाणा में और बाद में महाराष्ट्र और झारखंड में अलग–अलग चुनाव कराने का फैसला किया।

एफएटीएफ भारत की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण

आदित्य

इस महीने की दो सुर्खियाँ यहाँ दी गई हैं एक थी आतंकवाद के वित्तपोषण और मनी लॉन्ड्रिंग से निपटने के लिए भारत के प्रयासों को एफएटीएफ की स्वीकृति यह क्यों मायने रखता है। दूसरी थी "एफएटीएफ ने भारतीय एनजीओ क्षेत्र में आतंकवाद के वित्तपोषण की खामियों को चिन्हित किया"। आइए देखें कि इन दोनों को एक साथ रखने पर क्या मतलब है। अगर कोई आजकल खबरों पर ध्यान से नजर रखे, तो उसे हर महीने कम से कम एक गैर–सरकारी संगठन पर भारतीय अधिकारी प्रतिबंध लगाते हुए दिखेंगे। और इन संगठनों के बंद होने का कम से कम अखबारों में जिक्र तो होता ही है। कई अन्य, बल्कि ज़्यादातर, ऐसे हैं जो अंधेरे में बंद हो गए और उनके बंद होने की कोई खबर नहीं आई। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस सरकार के तहत एनजीओ के बंद होने के बारे में डेटा आधिकारिक वेबसाइटों से

हटा दिया गया है, जहाँ ये चीजें पहले सार्वजनिक की जाती थीं। भारत सरकार द्वारा नागरिक स्थान को लगातार कम करने के खिलाफ आक्रोश और विरोध को भी अपराध घोषित कर दिया गया है। नागरिक समाज को हर दिन मजबूर करने के लिए जानबूझकर प्रयास किए जा रहे हैं।

लेकिन यही वह बात है जिस पर हमें अभी सवाल उठाने की जरूरत है, स्पष्ट रूप से और जोर से। यह विशेष रूप से एक उपयुक्त क्षण है क्योंकि वित्तीय कार्रवाई कार्य बल ने 14 वर्षों के अंतराल के बाद भारत की पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसमें गैर–लाभकारी क्षेत्र को विनियमित करने में भारत द्वारा अपने मानकों का पालन न करने की बात कही गई है। अब कोई पूछ सकता हैरू वित्तीय कार्रवाई कार्य बल क्या है और यह क्यों महत्वपूर्ण है? एफएटीएफ एक अंतर–सरकारी निकाय है जिसमें 40 सदस्य हैं, जिन्हें वैश्विक धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण और सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार के वित्तपोषण का मुकाबला करने का काम सौंपा गया है। यह देशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक निर्धारित करके और फिर उन मानकों के आधार पर देशों के धन शोधन विरोधी और आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने वाले शासन का नियमित रूप से मूल्यांकन और रैंकिंग करके कार्य करता है। भारत एफएटीएफ के सदस्य देशों में से एक है। एफएटीएफ इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2023 में, भारत में नागरिक समाज समूहों ने दस्तावेज किया कि भारत सरकार ने लगातार एफएटीएफ की सिफारिशों का इस्तेमाल विदेशी योगदान (विनियमन) अधिनियम, गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम और धन शोधन निवारण अधिनियम को लागू करने या सख्त करने के लिए किया है – तीन कानून जो सरकार के खिलाफ बोलने की हिम्मत करने वालों के खिलाफ भारतीय अधिकारियों के हाथों उत्पीड़न के सुविधाजनक उपकरण बन गए हैं। विशेष रूप से, एफएटीएफ मनी लॉन्ड्रिंग पर अपनी 40 सिफारिशों और सदस्य देशों द्वारा आतंकवादी फंडिंग पर नौ विशेष सिफारिशों के पूर्ण और प्रभावी कार्यान्वयन का पारस्परिक रूप से आकलन करने के लिए एक सहकर्मी–समीक्षा प्रणाली के माध्यम से काम करता है। पारस्परिक मूल्यांकन प्रक्रिया के अनुरूप, किसी देश के अनुपालन की जाँच अन्य एफएटीएफ सदस्य देशों द्वारा की जाती है, जिसके परिणामस्वरूप कमियों को दूर करने के लिए लक्षित सिफारिशों के साथ एक गहन मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार की जाती है जिसे पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्ट कहा जाता है। मानकों का पालन करने में विफल रहने वाले देशों पर कड़ी निगरानी रखी जाती है और उन्हें उच्च जोखिम क्षेत्राधिकार कहा जाता है, जिसे बाहरी रूप से ग्रे या ब्लैकलिस्ट कहा जाता है। अतीत में तुर्की और पाकिस्तान जैसे देशों को भी इन सूचियों में डाला जा चुका है।

संरक्षित हों तीर्थस्थल की हिन्दू वंशावलियों की पंजिका

अशोक

हिंदू तीर्थस्थल धार्मिक मान्यताओं और पूजन अर्चन के लिए विख्यात है। इन सब कार्य को इन स्थलों के ब्राह्मण पंडित कराते हैं। ये ब्राह्मण पंडित पंडा कहे जाते हैं। ये पंडा सदियों से एक कार्य करते और कराते आ रहे हैं। ये पंडा अपने पास आने वाले यजमान (भक्तों) के परिवार का इतिहास अपनी बहियों में संजोते जा रहें हैं। ये काम सदियों से अनवरत रूप से जारी है। ये हिन्दू वंशावलियों की पंजिकाएं ऐतिहासिक धरोहर हैं। आज इनके संरक्षण की आवश्यक्ता है। इनके संजोकर रखने की जरूरत है।

हिंदू परिवारों को इस बारे में बहुत कम या न के बराबर जानकारी है। उन्हें पता भी नही कि इन स्थानों पर उनके परिवार का इतिहास संग्रहित है। सदियों से बहियों में ये रिकार्ड व्यापारी के खाते की तरह लिखकर रखा जा रहा है। अधिकतर भारतीयों व वे परिवार जो विदेश में बस गए उनको आज भी पता नहीं कि इन तीर्थस्थल की पंडो की बहियों में उनके परिवार की वंशावली दर्ज है। हिन्दू परिवारों की पिछली कई पीढ़ियों की विस्तृत वंशावलियां इन पंडा के पास संग्रहित हैं। ये पंडा आने वाले यजमान से उसके परिवार की जानकारी नोट करने के बाद उसके हस्ताक्षर कराकर बही में अपने पास रखते हैं। ये पंडा ये बहियां अपनी आने वाली अपनी पीढ़ी को सौंपते जाते हैं। ये बहियां जिलों व गांवों के आधार पर वर्गीकृत की गयीं हैं। प्रत्येक जिले की पंजिका का विशिष्ट पंडित होता है। यहाँ तक कि भारत के विभाजन के उपरांत जो जिले व गाँव पाकिस्तान में रह गए व हिन्दू भारत आ गए उनकी भी वंशावलियां यहाँ हैं। कई स्थितियों में उन हिन्दुओं के वंशज अब सिख हैं, तो कई के मुस्लिम अपितु ईसाई भी हैं। किसी.किसी की सात वंश या उससे भी ज्यादा की जानकारी पंडों के पास रखी इन वंशावली पंजिकाओं से होना साधारण सी बात है। शताब्दियों पूर्व से हिन्दू पूर्वजों ने हरिद्वार या किसी पावन नगरी की यात्रा कीध तीर्थयात्रा के लिए याध शव–दाह या स्वजनों के अस्थि व राख का गंगा जल में किया होगा तो वे संबद्ध पंडा के पास गए होंगे। ये पंडा इन आने वालों के रहने खाने तक की व्यवस्था करते हैं। इन पंडाओं ने अपनी पंजिका में वंश–वृक्ष को संयुक्त परिवारों में हुए सभी विवाहों, जन्म व मृत्युओं के विवरण दर्ज किया हुआ हैं। वर्तमान में धार्मिक स्थल पर जाने वाले भारतीय हक्के–बक्के रह जाते हैं जब वहां के पंडित उनसे उनके अपने वंश–वृक्ष को नवीनीकृत कराने को कहते हैं। आजकल जब संयुक्त हिदू परिवार का चलन खध्त्म हो गया है। लोग एकल परिवारों को तरजीह दे रहे हैं, ये पंडित चाहते हैं कि आगंतुक अपने फैले परिवारों के लोगों व अपने पुराने जिलों– गाँवों, दादा–दादी के नाम व परदादा–परदादी और विवाहों, जन्मों और मृत्यु, परिवारों में हुए विवाह आदि की पूरी जानकारी के साथ वहां आएं। आगंतुक परिवार के सदस्य को सभी जानकारी नवीनीकृत करने के उपरांत वंशावली पंजीका को भविष्य के पारिवारिक सदस्यों के लिए व प्रविष्टियों को प्रमाणित करने के लिए हस्ताक्षरित करना होता है। साथ आये मित्रों व अन्य पारिवारिक सदस्यों से भी साक्षी के तौर पर हस्ताक्षर करने की विनती की जा सकती है। इन तीर्थ स्थल के पुरोहितों के पास देश और दुनिया भर के यजमानों का दशकों पुराना लिखित रिकॉर्ड वंशावली के रूप में मौजूद है। किसी यजमान के आने पर चंद मिनटों में ही संबंधित पुरोहित कंप्यूटर से भी तेज गति से वंशावली देखकर उनके पूर्वजों की जानकारी दे देते हैं। पितृ पक्ष के दौरान इन तीर्थ स्थल पर आने वाले लोग अपने तीर्थ पुरोहितों के पास आकर वंशावली में अपने वंश के बारे में जरूर जानते हैं। ये पडे जनपद के हिसाब से हैं। तीर्थ स्थल में पहने वालों को पता है कि किस जनपद के पंडा कौन हैं। किसी दूसरे के यजमान को कोई अन्य पंडा खुद क्रिया.कर्म नहीं कराता। संबधित जिले के पंडा के पास उसे भेज देता है। शताब्दियों से हो रहा ये लेखन भोज पत्रों और ताम्र पत्रों के बाद अब कागज की बहियों पर शुरू किया गया। तीर्थ पुरोहितों के पास सैकड़ों वर्ष पुरानी बहियां आज भी सुरक्षित हैं। तीर्थ पुरोहितों की बहियों में देश भर के राजाओं, महाराजाओं, साधु, संतों, राजनेताओं एवं आम लोगों के परिवारों के वंश लेखन बहियों में मौजूद हैं। अकेले हरिद्वार में 30 हजार से अधिक की संख्या में वंशावली की बहियां सुरक्षित और संरक्षित हैं। इन बहियों में लेखन करने के लिए अलग स्याही तैयार करके तीर्थ पुरोहित वही लेखन करते हैं, जो काफी वर्षों तक सुरक्षित रहती है। इन वंशावलियों में जातियों, गोत्रों, उपगोत्रों का भी जिक्र रहता है। सबसे अहम बात इन बहियों में देखने को मिलती हैं कि तीर्थ पुरोहितों ने लेखन को भेदभाव से दूर रखा है। जहां राजाओं, महाराजाओं की वंशावलियां जिस क्रम में अंकित हैं, उसी क्रम में तीर्थ नगरी में पहुंचने वाले अन्य श्रद्धालुओं की हैं। विभिन्न राजवंशों की मुद्राएं, हस्त लेखन, दान पत्र, अंगूठे और पंजों के निशान बहियों में मौजूद हैं। यहां की वंशावलियों में देश की कई रियासतों के राजाओं के आने के उल्लेख दर्ज हैं। अक्तूबर 2007 में हमें इंडियन वर्किंग जर्नलिस्ट की एक कांफ्रेंस में बद्रीनाथ जाने का अवसर मिला। मेरे साथ गए मेरे दोस्त नरेंद्र मारवाड़ी भी थे। हम मारवाड़ी के साथ बद्रीनाथ में, अजमेर के महावर वालों की धर्मशाला में चले गए। ये मारवाड़ी के परिवारवालों की धर्मशाला हैं। वहां पंडित जी से बात की। वंशानुक्रम के बारे में बताया। बात करते–करते पंडित जी ने अपनी बही खोलकर उनके गोत्र का विवरण खोला तो पता चला कि मारवाड़ी के पिता जी 41 वर्ष पूर्व यहां यात्रा को आए थे। यात्रा को आने के बाद हुए उनके दो बच्चों का विवरण दर्ज नहीं थे। पंडित जी ने बही देखकर बताया कि 93 साल पूर्व उनके दादा जी बद्रीनाथ आए थे। दोनों के आने की तिथि तक वही में दर्ज थी। उनके हस्ताक्षर भी बही में मौजूद थे। मित्र को अपने बाबा का नाम ज्ञात था। यहां बही से उन्होंने अपने बाबा के पिता उनके भाई, बाबा के दादा और उनके भाइयों आदि का विवरण नोट किया। पंडित जी ने अपनी वही में मित्र से अपने और उनके बच्चे, भाई और भाइयों के बच्चों की जानकारी नोट की। नीचे तारीख, माह, सन डालकर हस्ताक्षर कराए। सदियों से चले आ रहा इतिहास को संजोकर रखना एक दुरूह कार्य है। इस कार्य को ये पंडे सुगमता से पीढियों से करते चले आ रहे हैं। आज इस इतिहास को संजोने और संरक्षण की जरूरत है। अच्छा रहे कि इनका कंप्यूटरीकरण हो जाए। बहियों को लैमिनेट करके भी संरक्षित किया जा सकता है। कैसे भी हो, ये होना चाहिए, नहीं तो समय के साथ ये गलता और खराब होता चला जाएगा। ये काम इनके व्यक्तिगत स्तर से संभव नहीं। सरकार को अपने स्तर से कराना होगा, तभी ये संभव हो पाएगा।

भारत 2025 में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जो बिडेन ने 21 सितंबर को अपने गृहनगर विलमिंगटन, डेलावेयर में विदाई क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। जापानी प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा, जो जल्द ही पद छोड़ रहे हैं, ने अपने गृहनगर हिरोशिमा में अंतिम शिखर सम्मेलन की मेजबानी करके एक नया चलन शुरू किया। क्या हम अगला शिखर सम्मेलन देखेंगे, जिसकी मेजबानी भारत 2025 में अहमदाबाद में करेगा? विल मिंगटन घोषणा नामक संयुक्त वक्तव्य में पिछले निर्णयों पर प्रगति का सार प्रस्तुत किया गया है और क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों का नए सिरे से मूल्यांकन किया गया है। हालाँकि, ध्यान इंडो–पैसिफिक पर बना हुआ है। घोषणा में याद दिलाया गया है कि यह श्री बिडेन ही थे जिन्होंने चार साल पहले क्वाड मीटिंग्स को नेता–स्तरीय प्रारूप में उन्नत किया था। इसमें सभा को चार अग्रणी समुद्री लोकतंत्र कहा गया है, जो आज पहले से कहीं अधिक रणनीतिक रूप से संरेखितष हैं। मानवाधिकार, कानून का शासन, लोकतांत्रिक मूल्य, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता जैसे मुख्य तत्वों को स्पष्ट किया गया। आसियान, प्रशांत द्वीप समूह फोरम और हिंद महासागर रिम एसोसिएशन जैसे क्षेत्रीय मंचों की भूमिका को रेखांकित किया गया। परिचयात्मक वक्तव्यों के बाद, कई विषयों को सारणीबद्ध किया गया और उनकी जांच की गई। ये हैंरू स्वास्थ्य सुरक्षा, जिसमें क्वाड कैंसर मूनशॉट, मानवीय सहायता और आपदा राहत, गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा, कृषि विकास की अगली पीढ़ी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग और सदस्यों के बीच गैर–मानवों के बारे में बायोडेटा साझा करना शामिल है। जलवायु परिवर्तन और स्वच्छ ऊर्जा पर भी ध्यान दिया गया। सूचीबद्ध दो अतिरिक्त क्षेत्र साइबर और अंतरिक्ष हैं। हालांकि संयुक्त वक्तव्य में चीन का नाम नहीं है, लेकिन अधिकांश विषय चीन के उदय और वैश्विक व्यवस्था के लिए आक्रामक चुनौती से उत्पन्न खतरे से संबंधित हैं। क्वाड ने कुछ साल पहले समझदारी से निष्कर्ष निकाला था कि चीन को नियंत्रित करने के लिए, केवल सैन्य गठबंधन ही जवाब नहीं है। वास्तव में, भारत ने समूह को सैन्य आयाम ग्रहण करने से रोका। क्वाड की आम सहमति यह है कि इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को टक्कर देने के लिए, चार देशों के समूह को इंडो–पैसिफिक में द्वीपों और अन्य देशों के विकास के लिए वैकल्पिक मॉडल पेश करने चाहिए। यही कारण है कि चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के जवाब में स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचे के विकास आदि में सहायता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। स्वास्थ्य सेवा पहल कोविड–19 महामारी के दौरान टीके वितरित करने में समूह द्वारा किए गए महान कार्य पर आधारित है। क्लेड 1 एमपॉक्स से नए खतरे का उल्लेख किया गया है। क्वाड कैंसर मूनशॉट का उद्देश्य इस क्षेत्र में सर्वाइकल कैंसर के निवारक उपाय और उपचार दोनों उपलब्ध कराना है। भारत डिजिटल स्वास्थ्य में डब्ल्यूएचओ की वैश्विक पहल के लिए 10 मिलियन डॉलर प्रदान कर रहा है। भारत ने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना स्थापित करने में शानदार काम किया है, जिसके पास ग्लोबल साउथ के कम विकसित देशों के लिए एक मॉडल है। क्वाड रणनीति बहुआयामी है और इससे कहीं आगे जाती है। पहला, इसका उद्देश्य अपने समुद्री पड़ोसियों के साथ चीनी दबाव को कम करना है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय कानून को लागू करने और संयुक्त राष्ट्र चार्टर की रक्षा करने के लिए बार–बार आह्वान किया जाता है। दूसरा, महत्वपूर्ण और उभरती हुई तकनीकों को विकसित करने के लिए मिलकर काम करके चीन पर तकनीकी बढ़त बनाए रखने के लिए प्रयास की आवश्यकता है। यह माना गया कि टिकाऊ बुनियादी ढाँचा विकसित करने के लिए प्रशिक्षण देना महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि क्वाड के नेतृत्व में 1,300 क्वालिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर फेलोशिप पहले ही प्रदान की जा चुकी हैं। इस विषय से जुड़ा हुआ है केबल कनेक्टिविटी लचीलापन और भविष्य की भागीदारी के क्वाड पोर्ट सुनिश्चित करने का निर्णय।

योग एवं योग–निद्रा के चमत्कारी प्रभाव से वैज्ञानिक सहमत

ललित

विश्व में भारतीय योग की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है, योग के चमत्कारी प्रभावों को अब विज्ञान भी स्वीकारने लगा है। अमेरिका, यूरोप व खासकर चीन में योग को लेकर बड़े शोध किए जा रहे हैं। कुछ समय पहले नोबेल पुरस्कार के सम्मानित एक अमेरिकी न्यूरो सर्जन ने माना था कि प्राणायाम मानसिक रोगों के उपचार में सबसे ज्यादा प्रभावी है। हाल ही में आईआईटी व एम्स दिल्ली द्वारा एमआरआई के जरिये कराये गए एक अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई कि योग निद्रा से न केवल नींद की गुणवत्ता बढ़ती है बल्कि मन के भटकाव को रोककर नींद को भी नियंत्रित किया जा सकता है। योग अनेक असाध्य बीमारियों को नियंत्रित करने में मददगार साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार को देश–विदेश में योग को प्रतिष्ठित करने तथा एलोपैथी व अन्य भारतीय चिकित्सा विधाओं में समन्वय की दिशा में सार्थक पहल करने का श्रेय दिया जाना चाहिए। उनके प्रयत्नों से भारतीय योग एवं ध्यान के माध्यम से भारत दुनिया में गुरु का दर्जा एवं एक अनूठी पहचान हासिल करने में सफल हो रहा है। आज हर व्यक्ति एवं परिवार अपने दैनिक जीवन में अत्यधिक तनावध्दबाव एवं अनिद्रा महसूस कर रहा है। हर आदमी संदेह, अंतर्द्वंद्व और मानसिक उथल–पुथल की जिंदगी जी रहा है। मनुष्य के सम्मुख जीवन का संकट खड़ा है। मानसिक संतुलन अस्त–व्यस्त हो रहा है। मानसिक संतुलन का अर्थ है विभिन्न परिस्थितियों में तालमेल स्थापित करना, जिसका सशक्त एवं प्रभावी माध्यम योग ही है। योग एक ऐसी तकनीक है, एक विज्ञान है जो हमारे शरीर, मन, विचार एवं आत्मा को स्वस्थ करती है। यह हमारे तनाव एवं कुंठा को दूर करती है। जब हम योग करते हैं, श्वासों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, प्राणायाम और कसरत करते हैं तो यह सब हमारे शरीर और मन को भीतर से खुश और प्रफुल्लित रहने के लिये प्रेरित करती है। नये शोध से तथ्य सामने आया है कि नियमित योग व ध्यान करने वाले प्रतिभागियों की नींद को नियंत्रित करने की क्षमता सामान्य प्रतिभागियों से अधिक पायी गई। इस नये वैज्ञानिक शोध में ऐसे कई महत्वपूर्ण खुलासे हुए। निस्संदेह, जिन लोगों को कई तरह के मनोकायिक रोग होते हैं, उनके लिये योग निद्रा रामबाण सिद्ध हो सकती है। यही वजह है कि अमेरिका व आस्ट्रेलिया आदि देशों में व्यावसायिक तनाव कम करने हेतु योग निद्रा पर जोर दिया जाता है। दिल्ली में हुए शोध में योग निद्रा से चेतना के उच्चतम स्तर को हासिल करने के तथ्य को भी स्वीकारा गया। शोधकर्ताओं ने माना कि योग निद्रा के जरिये गहरे अवचेतन मन में दबी कुंठाओं को मानसिक सतह पर लाकर, कालांतर उनसे मुक्ति में मदद मिलती है। जिससे व्यक्ति की सेहत में सुधार होता है। पिछले दिनों कनाडा के ओंटेरियो यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन के अनुसार कुंठा और तनाव के लगभग 64 प्रतिशत मरीजों ने माना कि उन्हें इस बात का अंदाज नहीं था कि उनकी खास बीमारी की वजह अंदर दबा गुस्सा हो सकता है। यह गुस्सा दूसरों की वजह से शुरू होता है और अंततः इसे आप अपने ऊपर निकालने लगते हैं। कुछ मामलों में मरीजों ने अपने आपको नुकसान भी पहुंचाया। विज्ञान ने यह प्रमाणित कर दिया है– जो व्यक्ति स्वस्थ रहना चाहता है, उसे योग को अपनाना होगा। बार–बार क्रोध करना, चिड़चिड़ापन आना, नींद न आना, मूड का बिगड़ते रहना– ये सारे भाव हमारी समस्याओं से लड़ने की शक्ति को प्रतिहत करते हैं। इनसे ग्रस्त व्यक्ति बहुत जल्दी बीमार पड़ जाता है। हमें अपनी भीतरी योग्यताओं और क्षमताओं को किसी दायरे में बांधने से बचना होगा। ऐसा तब होगा, जब हम योग को अपनी जीवनशैली बनायेंगे। हमारी हजारों साल के योग की विरासत की सार्थकता निर्विवाद है। लेकिन प्रगतिशील कहे जाने वाले एक तबके का तर्क होता है कि योग को विज्ञान की कसौटी पर कसा जाए। इसी के मध्यनजर तरह–तरह के शोध एवं अनुंसधान योग को लेकर हो रहे हैं, अब आईआईटी व एम्स दिल्ली के शोध में यह बात सामने आयी है कि योग से आराम के गहरे अहसास होते हैं। दरअसल, योग निद्रा सोने और जागने के बीच एक सचेतन अवस्था है। जिसका उपयोग योगी ध्यान साधना के लिये करते रहे हैं। योग निद्रा की मानसिक सेहत के लिये उपयोगिता निर्विवाद रही है। शोध के दौरान बनाये गए दो समूहों में से नियमित योग करने वाले समूह के लोगों के मस्तिष्क के पैटर्न के तुलनात्मक अध्ययन से पता चला कि योग निद्रा हमारे मस्तिष्क को कैसे नियंत्रित करती है। योगी बताते हैं कि कुछ मिनटों की योग निद्रा कई घंटे की सामान्य नींद के मुकाबले ज्यादा आराम देने वाली होती है। व्यक्ति धीरे–धीरे योग निद्रा की अवधि बढ़ाकर बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकता है। वहीं यह हमारे ध्यान को गहरा बनाने में भी मददगार साबित हो सकती है। अभी कुछ दिन पहले ही एक बात समाचारपत्रों में पढ़ी कि कैंसर क्यों होता है, इसके कई कारण हैं। एक कारण यह है कि जो लोग मस्तिष्क का सही उपयोग करना नहीं जानते उनके कैंसर हो सकता है। मस्तिष्क विज्ञानी तो यह भी कहते हैं कि मस्तिष्क की शक्तियों का केवल चार या पांच प्रतिशत उपयोग आदमी करता है, शेष शक्तियां सुप्त पड़ी रहती है। यह भी कहा जाता है कि कोई मस्तिष्क की शक्तियों का उपयोग सात या आठ प्रतिशत करने में समर्थ हो जाए तो वह दुनिया का सुपर जीनियस बन सकता है। इस आधार पर तो हम यही कह सकते हैं कि हम अपने मस्तिष्क का सही और पूरा उपयोग करना नहीं जानते। चाहे कर्म का क्षेत्र हो या धर्म का क्षेत्र हो, दोनों में हम पिछड़े हुए हैं। सबसे पहले हमारी जानकारी मस्तिष्क विद्या के बारे में होनी चाहिए। योग विद्या भारत की सबसे प्राचीन विद्या है। योगविद्या के आचार्यों ने मस्तिष्क विद्या से दुनिया का परिचय कराया था। बहुत सारी शारीरिक एवं मानसिक समस्याएं अज्ञान के कारण पैदा होती हैं। शरीर और उसके विभिन्न अवयवों के बारे में जानकारी के अभाव में आदमी के सामने अनेक शारीरिक कठिनाइयां खड़ी हो जाती हैं। हमारे मस्तिष्क में एक पर्त है एनीमल ब्रेन की। वह पर्त सक्रिय होती है तो आदमी का व्यवहार पशुवत हो जाता है। जितने भी हिंसक और नकारात्मक भाव है।

एनपीएस/ओपीएस के विरोध में अटेवा का आक्रोश मार्च

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अटेवा/NMOPS के राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर आज दिनांक 26 सितम्बर 2024 को अटेवा जौनपुर के बैनर तले जनपद के सभी शिक्षक कर्मचारियों ने NPS और UPS के खिलाफ दिखाया भारी आक्रोश और पुरानी पेंशन के समर्थन में निकाला आक्रोश मार्च। आक्रोश मार्च प्रभारी अटेवा मण्डल उपाध्यक्ष रमेश चंद्र यादव, सह प्रभारी सुबाष सरोज, टी यन यादव तथा जिला संयोजक चन्दन सिंह, जिला महामंत्री इन्दु प्रकाश यादव एवं जिला कोषाध्यक्ष नन्द लाल पुष्पक के नेतृत्व में जनपद के सभी शिक्षक कर्मचारियों ने अम्बेडकर तिराहा से प्रस्थान कर जोगियापुर, ओलंदगंज, जेसीज, रोडवेज, विकास भवन होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुँच कर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। आक्रोश मार्च को प्रदेश एवं जनपद के लगभग सभी संगठनों का समर्थन प्राप्त हुआ। श्री नन्द किशोर सिंह अध्यक्ष विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ, UPPSS से बिकास सिंह, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष डॉ अतुल प्रकाश यादव, प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष अमित सिंह, महिला प्राथमिक शिक्षक संघ श्रीमति विजय लक्ष्मी यादव, श्री अनिल यादव जिला ध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ 1160, श्री उमानाथ यादव अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक महराजगंज, संजय कुमार अध्यक्ष लेखपाल संघ, राम मूरत यादव अध्यक्ष विशिष्ट बी टी सी वे एसो., बृजेश त्रिपाठी अध्यक्ष सिंचाई विभाग, प्रमोद श्रीवास्तव PWD , संजय चौधरी अध्यक्ष सफाई कर्मचारी संघ, शिव कुमार यादव मंत्री सफाई कर्मचारी संघ, श्री सुनील यादव अध्यक्ष मिनिस्ट्रियल कर्मचारी संघ, विनय वर्मा जिलाध्यक्ष माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट आदि ने स्वयं की उपस्थिति के साथ साथ नैतिक समर्थन भी आक्रोश मार्च को दिया। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष सर्व श्री नीरज यादव, अखिलेश चन्द्र,बी यल यादव, लाल रत्नाकर उपाध्याय, संदीप यादव, डॉ संतोष सिंह, लाल चन्द्र यादव, डॉ कृपा निधि यादव, आनन्द स्वरूप यादव, अजय मिश्र, अनिल चौधरी, प्रदीप उपाध्याय, मनीष यादव, शशि राय, सूरज कन्नौजिया, अशोक यादव, माणिक चन्द्र पटेल, राजेश यादव एवं जिला कार्यकारिणी से डॉ राजेश उपाध्याय, प्रो श्याम सुंदर उपाध्याय, लाल चन्द्र चौरसिया, अरविंद यादव, संदीप यादव, संदीप चौधरी, प्रवीण श्रीवास्तव, ब्रह्मशील यादव, डॉ बीरेंद्र यादव, धर्मेंद्र शर्मा, अरविंद यादव (अध्यक्ष TSCT) ,शान्त सिंह, रवीश यादव, अनिल चौधरी, प्रेम चन्द्र यादव, विनय मौर्य , प्रमोद प्रजापति, हरे कृष्ण सिंह, राम अशीष यादव, मास्टर अब्दुल्ला, अरुण प्रकाश, विनोद यादव, सुरेंद्र कुमार, लक्ष्मण पाठक,रत्ती लाल निषाद, अमित यादव एवं जनपद के सभी विभागों के हजारों शिक्षक कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस बार भी अयोध्या की रामलीला मे बढ़-चढ़कर हिस्सा लेगे फिल्म जगत की नामचीन हस्तियां - सुभाष मलिक

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)

अयोध्या। इस बार विश्व की प्रसिद्ध रामलीला का मंचन सरयू नदी के किनारे श्री राम आडोटोरियम बस स्टैंड के समीप किया जाएगा। इस बात की जानकारी देते हुए अयोध्या रामलीला कमेटी के फाउंडर अध्यक्ष सुभाष मलिक फाउंडर महासचिव शुभम मलिक ने बोला हमें बड़ी खुशी है इस बार अयोध्या की रामलीला का छठा संस्करण होने जा रहा है। अयोध्या की रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला है।उन्होंने बताया कि इस बार अयोध्या की रामलीला हम और सुंदर करने होने जा रही है। जिसमें फिल्म जगत की नामचीन हस्तियां शामिल होंगी।अयोध्या की रामलीला दूरदर्शन डीडी भारती पर 3 तारीख से 12 तारीख तक लाइव प्रसारण होगा। अयोध्या के रामलीला में बॉलीवुड के 42 से ज्यादा कलाकार कम कर रहे हैं 20 कलाकार अयोध्या से हैं डेढ़ सौ आदमी की टेक्निकल टीम मुंबई दिल्ली और अयोध्या से है अयोध्या की रामलीला को विश्व की सबसे बड़ी बनाने में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ,संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह का विशेष सहयोग रहा है और उनकी वजह से अयोध्या की रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला है। इस मौके पर उन्होंने दर्शकों से अपील किया है कि ज्यादा से ज्यादा राम भक्त अयोध्या की रामलीला को देखने आए और राम भक्त घर पर बैठकर डीडी भारती दूरदर्शन और अयोध्या की रामलीला के यूट्यूब पर देख सकते हैं। इस बार अयोध्या की रामलीला 3 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 12 तारीख तक चलेगी

स्वच्छता ही सेवा के अन्तर्गत राजकीय कार्यालयों में चलाया गया विशेष स्वच्छता अभियान

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। गुरुवार को ''स्वच्छता ही सेवा'' के अन्तर्गत सिविल लाइन स्थित आयुक्त कार्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस मौके पर मंडलायुक्त गौरव दयाल द्वारा उपस्थित आयुक्त कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ भी दिलायी गयी।बताते चलें कि ''स्वच्छता ही सेवा'' इस विशेष सफाई अभियान के अन्तर्गत 17 सितम्बर 2024 से अभियान चलाया जा रहा है।जिसके अन्तर्गत श्रमदान, कुण्डों एवं तालाबों की सफाई, प्राचीन धरोहरों एवं विरासतों, बाजारों एवं व्यवसायिक क्षेत्रों, ढाबो राजकीय

कार्यालयों, विद्यालयों आदि क्षेत्रों में वृहद स्तर पर साफ सफाई, मलिन बस्तियों में साफ सफाई एवं दिनांक 26 सितम्बर 2024 से 02 अक्टूबर 2024 तक 24'7 निरन्तर 155 घंटे की साफ-सफाई का कार्यक्रम नियत है, जो नियमित रूप से चलाया जा रहा है।

आयुक्त कार्यालय में स्वच्छता शपथ के दौरान अपर आयुक्त प्रशासन अजय कांत सैनी, नगर आयुक्तध सी0ई0ओ0 अयोध्या जी तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद संतोष कुमार शर्मा, अपर आयुक्त न्यायिक राजेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी,संयुक्त विकास आयुक्त विजय कुमार, अपर नगर आयुक्त शशि भूषण राय सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

फरियादियों की समस्या का शीघ्र से शीघ्र निराकरण करना नवागत एसपी ग्रामीण की मुख्य प्राथमिकता

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। मुख्यालय पर आने वाले फरियादियों को न्याय दिलाना नवागत एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी की प्रमुख प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि उनकी कोशिश यही रहेगी कि यहां पर आने वाला कोई भी फरियादी निराश होकर न लौटे।शासन के मंशानुरुप मुख्यालय पर आने वाले चाहे जो भी फरियादी हो उनकी समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनकर उसे शीघ्र से शीघ्र निराकरण किया जाएगा। दुर्गा पूजा व रामलीला पर्व को लेकर उन्होंने बताया कि सभी सीओ व थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया है कि वे सभी अपने अपने क्षेत्रों में होने वाले रामलीला व दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उनसे आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुए इन पर्व को सकुशल संपन्न करायें।उन्होंने बताया कि वे खुद विभिन्न थानों पर आयोजित शांति कमेटी की बैठक में जाकर वहां पर मौजूद समिति के पदाधिकारियों व ग्रामीणों को रामलीला व दुर्गा पूजा के दौरान ध्यान रखने वाली बातों को बता रहे हैं।वही उन्होंने इन पर्वों को सकुशल संपन्न कराने के लिए सीओ व थाना प्रभारियों के साथ बैठक कर उन्हें आवश्यक निर्देश दे रहे हैं। उन्होंने सभी पुलिस कर्मियों को निर्देश दिए हैं कि वें अपने अपने क्षेत्रों में रहने वाले अराजक तत्वों पर विशेष नजर रखे।और जरुरत पड़े तो उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई करे।अभी जल्दी जमानत पर छूटे हुए अपराधियों पर भी पैनी नजर रखे। क्षेत्र में रहने वाले आपराधिक मामले में वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजने का

काम करे। उन्होंने कहा कि रामलीला व दुर्गा पूजा के दौरान लोग अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी तरह की संदिग्धावस्था में दिखाई देने वाले व्यक्तियों व वस्तुओं की जानकारी तुरंत पुलिस को दे। जिससे किसी भी अप्रिय स्थिति से पुलिस समय रहते रोक सके।

सपा सांसद प्रिया सरोज को हाई कोर्ट से मिली राहत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लोकसभा चुनाव के दौरान मड़ियाहूं में बिना अनुमति रैली निकालने एवं नारेबाजी कर आचार संहिता का उल्लंघन करने के मामले में सांसद प्रिया सरोज ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल किया। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति ने प्रिया सरोज को राहत देते हुए अगली सुनवाई तक उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दिया है। मामला एसीजेएम प्रथम की न्यायालय में विचाराधीन है। पुलिस द्वारा कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करने के बाद कोर्ट ने सांसद के खिलाफ प्रासेस जारी किया था जिसके खिलाफ वह हाईकोर्ट गई थीं। मड़ियाहूं के उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी गिरजा शंकर ने मड़ियाहूं थाने में सांसद प्रिया सरोज एवं 100 से 125 अज्ञात लोगों के खिलाफ 16 अप्रैल 2024 को एफआईआर दर्ज कराया था कि वह लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में गठित टीम के मजिस्ट्रेट थे। 16 अप्रैल 2024 को 12रू00 दिन लोकसभा से घोषित सपा उम्मीदवार प्रिया सरोज पुत्री तूफानी सरोज द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान मड़ियाहूं कस्बा स्थित गांधी तिराहे पर 100 से 125 समर्थकों के साथ बिना किसी अनुमति के रैली निकाला गया जिसमें बाजा एवं नारेबाजी कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया जो आचार संहिता के उल्लंघन की श्रेणी में आता है। पुलिस ने चार दिन में ही विवेचना कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया। इस मामले में गुरुवार को बता करते हुए शासकीय अधिवक्ता जेडी यादव ने बताया कि कोर्ट ने मामले का संज्ञान लेकर आरोपितों के खिलाफ प्रासेस जारी किया। आदेश के खिलाफ प्रिया सरोज ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। उनके अधिवक्ता ने तर्क दिया कि पुलिस ने 100 से 125 अज्ञात लोगों का एफआईआर में जिक्र किया है लेकिन 10 लोगों का बयान दर्ज कर चार दिन के भीतर ही आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया। मामला आईपीसी की धारा 188 से संबंधित है धारा 195 सीआरपीसी के तहत मंजूरी के बिना कोर्ट द्वारा संज्ञान लेने पर रोक है। कार्रवाई दुर्भावना से की गई है और कानूनी रोक भी है। आवेदक का कोई आपराधिक इतिहास भी नहीं है। हाई कोर्ट ने विपक्षी स्टेट आफ यूपी को नोटिस जारी करते हुए सांसद पर उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दिया।

प्रगति भारत महोत्सव 20 अक्टूबर 2024 से 4 नवंबर 2024 तक कांशीराम स्मृति उपवन लखनऊ में होगा

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। संस्था के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार सिंह ने बताया बताया कि प्रगति भारत महोत्सव में केंद्र सरकार के वस्त्र मंत्रालय हैण्डीक्राफ्ट, संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग उ.प्र. और नाबार्ड की सहभागिता के साथ उत्तर प्रदेश सरकार के हस्तशिल्प विपणन प्रोत्साहन योजना भी फलीभूत होगी। इसके अलावा विशेष रूप से सिपला, कोको पेंट, क्रिमिका, मार्गो, राज-रतन कम्पनियो का स्टाल भी महोत्सव की शोभा बढ़ायेगे। श्री सिंह ने बताया कि संस्था के फेसबुक सहित इंस्टा स्टूडियो के माध्यम से देश विदेश के लोगों को प्रगति भारत महोत्सव से जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा महोत्सव से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए प्रगति भारत महोत्सव के फेसबुक लिंक का प्रयोग सजीव प्रसारण के लिए किया जायेगा।

प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एन.बी. सिंह ने बताया कि प्रगति भारत महोत्सव-2024 में भारत के विभिन्न क्षेत्रो में उल्लेखनीय योगदान देने वाली अनेक विभूतियों को प्रगति भारत महोत्सव रत्न सम्मान से सम्मानित किया जायेगा, जिसमें सभी वर्गों को शामिल किया जायेगा। श्री एन.बी. सिंह ने बताया कि प्रगति भारत महोत्सव-2024 की सांस्कृतिक संध्या में रोजाना भारत के विभिन्न राज्यों और के लोक नृत्य और लोक गायन के कार्यक्रम जैसे उत्तर प्रदेश का ख्याल नृत्य, रास नृत्य, झूला नृत्य, मयूर नृत्य, राजस्थान का घूमर नृत्य, पंजाब का गिद्दा-भांगड़ा, हरियाणा का झूमर नृत्य, बिहार का जाट जाटिन नृत्य, झारखंड का फगुआ नृत्य, महाराष्ट्र का लावणी नृत्य, गुजरात का गरबा नृत्य के साथ अन्य राज्यों के लोक नृत्य और लोक गायन के कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा कवि सम्मेलन, मुशायरा, जादू, कठपुतली, बिरहा और आल्हा के कार्यक्रम होंगें। एन वी सिंह ने बताया कि प्रगति भारत महोत्सव में बच्चों और युवाओं के लिए आकर्षक झूलों के साथ घोड़े और ऊँट को सवारी की भी व्यवस्था की गई है। लोगों की सुरक्षा के लिए पूरे महोत्सव परिसर और परिसर के बाहर हर स्थान पर सुरक्षा की दृष्टि से सी सी टीवी कैमरे लगाये जायेगे। महोत्सव के सभी प्रवेश द्वारों पर मेटल डिटेक्टर और सुरक्षा गार्डों द्वारा सघन जांच के बाद ही लोगों को प्रवेश की अनुमति होगी। इसके अलावा महोत्सव स्थल पर अस्थाई पुलिस चौकी भी प्रशासन के सहयोग से होगी।

सुल्तानपुर से प्रतापगढ़ तक बनेगा चार लेन का एक्सप्रेसवे मंजूरी

सुल्तानपुर। प्रयागराज-अयोध्या राम वनगमन मार्ग के प्रतापगढ़ से सुल्तानपुर हिस्से को चार लेन का एक्सप्रेसवे बनाने की शासन ने मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही दोनों जिलों के बीच के करीब 40 किमी हिस्से के निर्माण के लिए पहले कराए गए टेंडर को भी हरी झंडी दे दी है। सुल्तानपुर से अयोध्या के बीच बनने वाले मार्ग का नक्शा फाइनल होते ही सुल्तानपुर-प्रतापगढ़ के हिस्से के निर्माण का रास्ता साफ हो जाएगा। करीब 900 करोड़ रुपये से एक्सप्रेसवे का निर्माण कराया जाएगा। इससे हजारों लोगों का आवागमन आसान हो जाएगा।शासन अब फोरलेन के बजाय प्रतापगढ़ से अयोध्या तक करीब 100 किमी मार्ग को एक्सप्रेसवे बनवाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग ने इसकी हरी झंडी दे दी है। इसके साथ ही सुल्तानपुर-प्रतापगढ़ तक के बीच पूर्व में कराए गए सड़क निर्माण के टेंडर को भी मंजूरी दे दी है। फिलहाल सुल्तानपुर-अयोध्या के बीच बनाए जाने वाले करीब 60 किमी एक्सप्रेसवे के नक्शे की वजह से शासन ने भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया का कार्य रोक रखा है।लोक निर्माण के राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिकारियों के मुताबिक सुल्तानपुर से अयोध्या तक बनने वाला एक्सप्रेसवे प्रतापगढ़ से आने वाला एक्सप्रेसवे सुल्तानपुर में कहां मिलेगा, इस पर मंथन चल रहा है। इसके लिए सर्वे चल रहा है। सर्वे में यह भी देखा जा रहा है कि एक्सप्रेसवे के रास्ते कम भवन पड़ें, जिससे सरकार को मुआवजा कुछ कम देना पड़े। साथ ही लोगों का नुकसान कम हो। जोड़ का मामला फाइनल होते ही सुल्तानपुर से प्रतापगढ़ तक एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसके बाद निर्माण कराया जाएगा।

11 ग्राम पंचायतों से होकर गुजरेगा एक्सप्रेसवे

सुल्तानपुर-प्रतापगढ़ एक्सप्रेसवे जिले के हिस्से में करीब 14 किमी बनाया जाएगा। एक्सप्रेसवे जिले में 11 गांवों से होकर गुजरेगा। इसके लिए भूमि चिह्नित कर ली गई है। शासन का आदेश मिलते ही चिह्नित भूमि का प्रकाशन करा दिया जाएगा। दावा व आपत्ति निस्तारण के बाद अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

जुड़ने वाला स्थान फाइनल होते ही शुरू होगी निर्माण की प्रक्रिया

लोक निर्माण के राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिशाषी अभियंता विकास कुमार ने बताया कि अयोध्या और प्रतापगढ़ से आने वाला एक्सप्रेसवे सुल्तानपुर में किस जगह मिलेगा, इसके सर्वे का कार्य चल रहा है। इसके फाइनल होते ही निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान व टीडी एवं डीपीटी अभियान के तहत संवेदीकरण बैठक

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) आज ब्लॉक सभागार शाहाबाद में सी एच सी अधीक्षक डॉ प्रवीण कुमार दीक्षित के निर्देश पर प्रधान ,पंचायत सहायक ,ग्राम पंचायत अधिकारी की संचारी रोग नियंत्रण एवम दस्तक अभियान व टीडी एवं डीपीटी अभियान के तहत संवेदीकरण बैठक का आयोजन किया गया ।

बैठक में जल जनित एवं वेक्टर जनित रोगों के बारे में जैसे मलेरिया चिकनगुनिया डेंगू आदि के संबंध में चर्चा की गई तथा आगामी माह में चलने वाले संचारी रोग नियंत्रण अभियान जो 1 से 31अक्तूबर 2024 तक तथा दस्तक अभियान 11 से 31 अक्टूबर 2024 तक की चर्चा की गई साथ ही गत चरण के मॉनिटरिंग डाटा का फीडबैक शेयर किया गया एवं ग्राम प्रधानों की भूमिका आदि बताई गई। ग्राम विकास अधिकारी अपने ग्राम में अभियान के नोडल होंगे। जिसके तहत जनसंपर्क तथा जन जागरण ,शुद्ध पेयजल की व्यवस्था ,वेक्टर कंट्रोल, वातावरण स्वच्छता आदि के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई जैसे उथले हैंड पंपों को लाल रंग से चिन्हित का जनता के उनके प्रयोग न करने के लिए जागरूक करना, खराब इंडिया मार्का हैंड पंपों की मरम्मत शुद्ध पेय जल पीने हेतु जागरूक करना , जलाशय एवं नालियों की नियमित सफाई , अपशिष्ट एवं रुके हुए पानी तथा मच्छरों के प्रजनन की समस्याओं को रोकने के लिए गड्ढों का भराव पक्की ईंटों वाली सड़कों का निर्माण , झाड़ियां की काट- छाट का कार्य करवाना , आदि के बारे में बताया गया। टीकाकरण के संबंध में भी चर्चा की गई जिसमें टिका ना लगवाने वाले बच्चों के परिवारों को टीका लगवाने हेतु प्रेरित करने हेतु विस्तृत चर्चा की गई। बताया गया कि 26, 27,30 अक्टूबर 2024 में टीडी एवं डीपीटी अभियान का टीकाकरण सत्र प्रत्येक प्राइमरी स्कूल एवम् इंटर कॉलेज में लगेगा। इसमें कक्षा 1 कक्षा 5 एवं कक्षा 10 के बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा की चर्चा की गई। साथ ही टीबी मुक्त भारत अभियान के संबंध में भी विस्तृत चर्चा की गई एवं टीबी के लक्षण, साफ सफाई, छोटे बच्चों का बीमारी से बचाव आदि के संबध में विस्तृत चर्चा की गई एवं ब्लॉक के ग्रामों में लगने वाले कैंप आदि के संबंध में बताया गया।इस बैठक में एडीओ पंचायत जितेंद्र कुमार, अभय सिंह (बीएमसी , एस. एम. नेट.,यूनिसेफ), सुहेल अहमद (बी. सी.पी.एम.)अवधेश कुमार(वरिष्ठ क्षयरोग उपचार पर्यवेक्षक), रोहित (वरिष्ठ क्षय रोग प्रयोगशाला पर्यवेक्षक), सीएससी शाहाबाद एवं जावेद आलम(टीबी अलर्ट इंडिया) आदि उपस्थित रहे।

पीड़ित को धमकाने के आरोप में सिपाही लाइन हाजिर

सुलतानपुर। थाना बल्दीराय में तैनात कांस्टेबल कृष्ण कुमार चौरसिया को जन् विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा ने लाइन हाजिर कर दिया है। कांस्टेबल कृष्ण कुमार पीड़ितों को धमकाने तथा जन विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की शिकायत मिलने पर पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा ने उसे लाइन हाजिर कर दिया है।

व्यापारियों ने किया अग्रवाल शिक्षा संस्थान की नई कमेटी का स्वागत

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। अग्रवाल शिक्षा संस्थान के नवनिर्वाचित पदाधिकारी गणों एवं सम्मानित सदस्यों का सम्मान समारोह गुरुवार को शिवाजी मार्ग स्थित एक होटल मे पर किया गया।

इसमें गौतम बुद्ध मार्ग, शिवाजी मार्ग, और मॉडल हाउस के व्यापारियों ने नई कमेटी का सम्मान किया। इस मौके पर हीवेट रोड से अशोक अग्रवाल, अमित अग्रवाल, गौतम बुद्ध मार्ग से सतीश अग्रवाल, विभोर अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, अजय अग्रवाल द्वारा पूरी कमेटी का स्वागत किया गया। इसमें महेश मित्तल और प्रदेश प्रदीप कुमार अग्रवाल, अग्रवाल शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष लोकराम अग्रवाल, उपाध्यक्ष पवन कुमार गोयल, हरीराम अग्रवाल और मदन गोपाल गुप्ता, मनोज कुमार हवेलिया मंत्री, राजीव अग्रवाल कोषाध्यक्ष, संयुक्त मंत्री मनीष अग्रवाल,

शिक्षा मंत्री नीलेश अग्रवाल टाटा आशीष अग्रवाल, सुधीर हलवासिया, मीडिया प्रभारी सुधीश गर्ग मौजूद रहे। इसमें सभी 37 प्रत्याशियों का स्वागत हुआ। इस मौके पर संस्थान के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, भारत भूषण गुप्ता भी मौजूद रहे।

अग्निशमन मानक के अनुसार हो दुर्गा पूजा व रामलीला का पंडाल - एमपी सिंह

अयोध्या। रामलीला व दुर्गा पूजा का पंडाल का निर्माण समिति के पदाधिकारी अग्निशमन मानक के मुताबिक ही करे। जिससे कि रामलीला व दुर्गा पूजा के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।यह बातें सीएफओ एमपी सिंह ने बताई। इस समय दुर्गा पूजा का पंडाल का निर्माण कार्य जोरों से चल रहा है।वही अभी तो शहर में नहीं लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में रामलीला का मंचन भी शुरु हो गई है। जिसके चलते शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक अग्निशमन विभाग के अधिकारी व कर्मी दुर्गा पूजा व रामलीला मंचन स्थल का निरीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि रामलीला व दुर्गा पूजा समिति के लोग किसी भी पंडाल का निर्माण ट्रांसफार्मर के समीप न हो। जो भी विद्युत कनेक्शन हो वे सभी नंगें न हो और विद्युत सुरक्षा के लिए एमसीबी/ईएलसीबी का प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि किसी भी पंडाल की ऊंचाई 3 मीटर से कम न हो और पंडाल बनाने में सिंथेटिक रस्सी के स्थान पर नारियल के रस्सी का प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि पंडाल के चारों ओर फिक्स दीवार न हो। उन्होंने बताया कि पंडाल में कम से दो निकास द्वार हो जो कम से कम ढाई मीटर चौड़ा हो।वही बड़े पंडाल में तीन द्वार हो। पंडाल के अंदर व बाहर हैलोजन बल्ब का प्रयोग न कर एलईडी का प्रयोग करें। इसके अलावा सभी पंडालों के पास अग्निशमन यंत्र का प्रयोग हो। उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में अग्निशमन विभाग को सूचित करें।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा इंटरमिडीएट का अंक पत्र वास्तव में कही खो गया है। मेरा इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2012 एवं मेरा अनुक्रमांक 2226925 यू० पी० बोर्ड माध्यमिक शिक्षा परिषद् प्रयागराज द्वारा निर्गत है जिस किसी को मिले मेरे निम्न नाम व् पते पर सूचित करे।

नाम - बृजेश यादव पुत्र भुलई राम यादव
पता - फत्तुपुर अजोसी, जौनपुर
पिन कोड - 222161
मो0 नं0 - 9889047774

बीएससी व एमएससी कृषि सेमेस्टर परीक्षाएं अक्टूबर के दूसरे सप्ताह से

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर (द्वितीय, चतुर्थ, छठवां सेमेस्टर) व एमाएससी एग्रीकल्चर (द्वितीय व चतुर्थ सेमेस्टर) की परीक्षाएं अक्टूबर के दूसरे सप्ताह से प्रारंभ होंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस संबंध में सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा फार्म भरने की प्रक्रिया 24 सितंबर से प्रारंभ हो चुकी है, जो पांच अक्टूबर तक चलेगी। परीक्षा नियंत्रक डा. विनोद कुमार सिंह व उप कुलसचिव अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि बीएससी और एमएससी एग्रीकल्चर सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया 24 सितंबर से पांच अक्टूबर के बीच पूरी की जा सकती है। छात्रों से समय पर फार्म भरने का आग्रह किया गया है ताकि किसी प्रकार की परेशानी न हो।

श्री गौरीशंकर संस्कृत महाविद्यालय की छात्रा सुनीता को मिला गोल्ड मेडल

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज, जौनपुर। क्षेत्र के श्री गौरीशंकर संस्कृत महाविद्यालय के पुराणेतिहास विभाग की छात्रा सुनीता ने संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में बृहस्पतिवार को राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के हाथों गोल्ड मेडल प्राप्त कर माता–पिता के साथ–साथ महाविद्यालय का नाम रोशन कर दिया। पुराणेतिहास विभाग में छात्रा सुनीता को संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर कुलाधिपति के हाथों गोल्ड मेडल मिलने की खबर मिलते ही महाविद्यालय में जश्न शुरू हो गया। छात्रा सुनीता को गोल्ड मेडल मिलने पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी ने छात्रा को बधाई देते हुए कहा कि यदि बच्चों द्वारा अथक परिश्रम किया जाए तो उनका परिश्रम व्यर्थ नहीं जाता। यह ऐसा महाविद्यालय है जहां पर प्रतिवर्ष कोई न कोई छात्र गोल्ड मेडल प्राप्त करता है।

छात्रा सुनीता ने गोल्ड मेडल मिलने पर इसका पूरा श्रेय अपने गुरुजनों एवं माता–पिता को दिया। सुनीता की सफलता मिलने से पुराणेतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष आचार्य इंद्रदेव द्विवेदी एवं अध्यापकों ने बधाई देकर उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर पं0 शिवानंद चतुर्वेदी, पं0 विनोद कुमार तिवारी, आचार्य उमेश तिवारी, जितेंद्र सिंह, पं0 संदीप तिवारी, आचार्य खगेंद्र मिश्र आदि प्राध्यापक एवं छात्र मौजूद रहे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 108 वीं जयंती मनाई गई

वाराणसी, संवाददाता। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 108 वीं जयंती पर भाजपाजनों की ओर से प्रत्येक बूथ पर पुष्पांजलि अर्पण का कार्यक्रम किया गया। यूपी के मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने अपने बूथ पर कार्यकर्ताओ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया।

मध्यमेश्वर मंडल के बूथ संख्या 135,136 एवं 137 में घर घर जाकर दस्तक दी और जनता को प्राथमिक सदस्यता के माध्यम से पार्टी से जोड़ा गया। केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में चर्चा भी की गई। इस अवसर पर आयुष मंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि पं दीनदयाल उपाध्याय एक महान विचारक, प्रखार राष्ट्रवादी, उत्कृष्ट संगठनकर्ता एवं कर्मयोगी थे।

उनका चिंतन उनका विचार हम सबके लिए प्रेरणादायी है। अंत्योदय के जनक पं दीनदयाल जी बहुआयामी थे। विषम परिस्थितियों में भी संघर्ष करते रहे। जो विचार यात्रा पं दीनदयाल जी ने आरम्भ की थी उसे 2014 में मुकाम हासिल हुआ। कहा कि जिस अंत्योदय की परिकल्पना पं दीनदयाल जी ने की थी उसे साकार करने का काम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व केंद्र सरकार कर रही है। गांव, गरीब,किसान, शोषित, पीडित, वंचित लोगो के उत्थान के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं बनाई गयी इन योजनाओं के माध्यम से आवास, शौचालय, फ्री गैस कनेक्शन, फ्री बिजली कनेक्शन, आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा दी जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

विद्युत विभाग द्वारा कैंप लगाकर उपभोक्ताओं के समस्याओं का किया गया निस्तारण

विशेष संवाददाता
जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज, जौनपुर। क्षेत्र के मछलीशहर विद्युत उपकेंद्र के सहायक अभियंता अभिषेक केसरवानी ने उपभोक्ताओं के निस्तारण हेतु अभियान चलाया जहां पर मुस्तफाबाद बाजार (निकट यूनियन बैंक ऑफ इंडिया) के समाने कैंप लगाकर उपभोक्ताओं की समस्या को सुनी जिसमें उपभोक्ताओं ने बकाया बिल जमा किए और कई उपभोक्ताओं ने अपने त्रुटिपूर्ण बिलों को सुधार करने के लिए प्रार्थना पत्र लिख कर जेई अभिषेक केसरवानी को दिया जिसपर जेई ने तत्काल कार्यवाही करते हुए शीघ्र सुधार करने के लिए एसडीओ को प्रेषित किया. जहां पर विद्युत उपकेंद्र पर कार्यरत लाइनमैन विजय कुमार, घनश्याम,मिश्री लाल आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ की मौत, परिवार में मचा कोहराम

'सुल्तानपुर। जल जीवन मिशन से जुड़े चौकीदार की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत।चौकीदार मोहम्मद मोबीन (60) वर्ष की सफेदे के पेड़ से फन्दे से लटकता मिला शव। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस,शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुटी। जल जीवन मिशन में बड़ी अनियमिता और सरकारी धन के गोलमाल से जोड़कर देखा जा रहा मामला।थानाध्यक्ष आर.बी सुमन बोले,मानसिक रुप से विक्षिप्त बताया जा रहा मृतक। फिर भी सभी पहलुओं पर की जा रही जांच पड़ताल।बल्दीराय थाना क्षेत्र के मोहम्मद काजी गांव का मामला।

पटाखा फैक्ट्री में सिलेंडर फटने से उड़ा सीमेंट शेड का हिस्सा

गोरखपुर, संवाददाता। क्षेत्र के भीटी रावत में हाईवे के किनारे स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में मंगलवार को सिलेंडर फट गया। जिससे फैक्ट्री के सीमेंट शेड का कुछ हिस्सा उड़ गया और पीछे के तरफ की दीवार भी गिर गई। फैक्ट्री में लगे शीशे भी टूट गए हैं। सहजनवां क्षेत्र के भीटी रावत में हाईवे किनारे अब्दुल कलाम पटाखा वर्क्स नाम से लाइसेंसी पटाखा फैक्ट्री संचालित है। यहां पटाखा बनाने के साथ ही थोक में बिक्री भी की जाती है। मंगलवार को शाम चार बजे के करीब फैक्ट्री में एक सिलेंडर अचानक फट गया। आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग दहशत में आ गए। इसमें फैक्ट्री के सीमेंट शेड का कुछ हिस्सा उड़ गया और पीछे बनी दीवार भी ध्वस्त हो गई। इस दौरान कुछ पटाखों में विस्फोट होने लगा लेकिन तत्काल ही उस पर काबू पा लिया गया। घटना के बाद तहसीलदार आरके कन्नौजिया ने मौके का निरीक्षण किया।

बंद मकान का ताला तोड़कर 12 लाख के गहने व 75 हजार नकद उठा ले गए चोर

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखनाथ के केशवपुरम कॉलोनी में बंद मकान का ताला तोड़कर चोर 12 लाख रुपये कीमत के गहने व 75 हजार रुपये नकदी उठा ले गए। मंगलवार की सुबह दरवाजे का ताला टूटा देख पड़ोसियों ने मकान मालिक को फोन कर घटना की जानकारी दी। गोरखनाथ थाना पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। मेडिकल कॉलेज रोड स्थित आदर्शपुरम कॉलोनी में रहने वाले नवीन शाही ने गोरखनाथ थाना पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया के उनके बड़े भाई अजय शाही अपनी बेटी का बीटेक में एडमिशन कराने परिवार के साथ बेंगलुरु गए हैं। मंगलवार की सुबह पड़ोसियों ने दरवाजे पर लगा ताला टूटा देख फोन कर उन्हें चोरी होने की जानकारी दी। बड़े भाई के जानकारी देने पर वह पहुंचे तो कमरे में रखी अलमारी का ताला तोड़कर चोर 12 लाख रुपये कीमत के गहने व 75 हजार नकद उठा ले गए थे। सीओ गोरखनाथ योगेंद्र सिंह ने बताया कि सीसी कैमरे का फुटेज देखा जा रहा है। कुछ संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

बड़े पिता ने घर में घुस किशोरी से किया छेड़खानी- केस दर्ज

गोरखपुर, संवाददाता। कस्बे के एक गांव की किशोरी ने अपने बड़े पिता पर छेड़छाड़ करने आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। इसके आधार पर पीपीगंज थाने में पुलिस ने छेड़छाड़ समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, पीपीगंज के एक गांव की 15 वर्षीय किशोरी ने तहरीर देकर बताया कि सोमवार की सुबह मां खेत में काम करने गई थीं, उसी समय पुरानी रंजिश को लेकर बड़े पिता घर में घुसकर उसकी गाली देने लगे। जब आरोपी ने किशोरी को घर में अकेला देखा तो उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। किशोरी ने जब शोर मचाया तो वह घर से भागा। किशोरी ने अपनी मां को सारी बात बताई। मां उलाहना लेकर आरोपी के घर पहुंची तो उसने मार–पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे वह मौके पर ही बेहोश गई।

18 हजार उपभोक्ताओं पर भारी– रात तक सही होगी बिजली आपूर्ति

गोरखपुर, संवाददाता। बिजली निगम के अभियंताओं और स्टोर के जिम्मेदारों की लापरवाही का खामियाजा उपभोक्ताओं को झेलना पड़ रहा है। मोहद्दीपुर में 10 एमवीए का ट्रांसफॉर्मर सोमवार की देर रात जल गया। इससे बिजली ठप हो गई। प्रयागराज से नया ट्रांसफॉर्मर लाया जाएगा, लेकिन तब तक तीन फीडर से जुड़े उपभोक्ताओं को परेशानी झेलनी पड़ेगी।

जाली नोट प्रकरण मामले में कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू से भी होगी पूछताछ

कुशीनगर, संवाददाता। कुशीनगर जाली नोट प्रकरण में कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू से भी कुशीनगर पुलिस पूछताछ करेगी। कुशीनगर पुलिस की जाली नोट कार्रवाई पर अजय लल्लू ने लगातार सवाल उठाए थे। अजय लल्लू की फोटो भी गिरफ्तार आरोपी औरंगजेब और नौशाद के साथ सोशल मीडिया पर शेयर हो रही है। बताया जा रहा है कि पुलिस की कार्रवाई के बाद अजय कुमार लल्लू के फेसबुक पेज पर कुशीनगर पुलिस की कार्रवाई को गलत बताया था। ऐसे में कुशीनगर पुलिस अब अजय लल्लू से भी मामले में पूछताछ करेगी। अजय लल्लू कांग्रेस उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष थे। पुलिस इन्हें पूछताछ के लिए नोटिस भेजेगी। जाली नोटों और अवैध असलहों के धंधे में संलिप्त सपा नेता समेत 10 बदमाशों के लिंक पुलिस विदेश तक तलाश रही है। नेपाल के अलावा बिहार, बंगाल और असम तक फैले नेटवर्क में शामिल पांच और संदिग्ध पुलिस के रडार पर हैं। पुलिस की पांच टीमें जेल भेजे गए बदमाशों की संपत्ति का ब्योरा खंगाल रही है। रसूख के बल पर इलाके में धौंस जमाने वाले आरोपियों की कस्बे में चर्चा रही।

महाकुंभ के कार्यों को 15 नवंबर तक करें पूरा

प्रयागराज, संवाददाता। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने कहा कि महाकुंभ के कार्य 15 नवंबर तक पूरे कर लिए जाएंगे। बारिश तथा बाढ़ को देखते हुए 15 दिन का और मौका दिया गया है। पहले 31 अक्तूबर तक ही काम पूरा होने की बात कही गई थी। प्रमुख सचिव दो दिनों के लिए मंगलवार को प्रयागराज पहुंचे। शाम को पहुंचे प्रमुख सचिव ने देर रात तक महाकुंभ के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान वार्ता में उन्होंने कहा कि 15 नवंबर तक सभी काम पूरा कर लेने के निर्देश दिए गए हैं, उन्होंने दावा किया कि काम पूरे भी हो जाएंगे। जो थोड़ा बहुत काम रह जाएगा वह 30 नवंबर तक पूरा हो जाएगा। प्रमुख सचिव ने कहा कि बाढ़ की वजह से मेला क्षेत्र में काम प्रभावित हुआ है। अब तक काम शुरू हो जाना चाहिए था लेकिन पानी भरा हुआ है। इससे जल निगम का काम काफी पीछे हो गया है लेकिन प्रशासन इसके लिए तैयार है। जरूरी संसाधन बढ़ाकर काम कराए जाएंगे। महाकुंभ की दिव्यता में कोई कमी नहीं रहेगी और न ही आगंतुकों को किसी तरह की परेशानी होगी। प्रमुख सचिव ने कहा कि महाकुंभ के कार्यों का निरीक्षण किया जा रहा है। बुधवार को बैठक में प्रगति की समीक्षा की जाएगी तथा जरूरी निर्देश दिए जाएंगे। प्रमुख सचिव ने देर रात तक स्वरूपरानी अस्पताल की तरफ जाने वाली सड़क के चौड़ीकरण, बालसन चौराहे पर गहरी सीवरलाइन बिछाने, भरद्वाज आश्रम कॉरिडोर, अलोपीबाग पंपिंग स्टेशन की क्षमता विकास, मनकामेश्वर मंदिर कॉरिडोर, झूंसी में पीडीए की ओर से किए जा रहे सड़क चौड़ीकरण एवं नाली निर्माण समेत कई कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़कों की चौड़ाई, उसकी गुणवत्ता, साइनेज लगाने समेत अन्य बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी ली। प्रमुख सचिव जहां भी गए मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत तथा मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने पहले उस काम तथा उसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। इसके बाद कार्यदायी विभाग के अफसरों ने निर्माण तथा उसकी प्रगति के बारे में बताया। प्रमुख सचिव ने कई जगहों पर निर्माण में बदलाव किए जाने के भी निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ने काम में तेजी लाते हुए सभी कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों भी फीडबैक लिया। इस दौरान डीएम रविंद्र कुमार मांदर, नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग, सीडीओ गौरव कुमार समेत संबंधित विभागों के अफसर मौजूद रहे।

अंतर जनपदीय वाहन चोर गैंग का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, कई बाइक बरामद

आजमगढ़, संवाददाता। आजमगढ़ जिले के पवई थाने की पुलिस ने वाहनों की चोरी करने वाले नए अंतर जनपदीय गैंग का खुलासा कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से चोरी की नौ मोटरसाइकिल व दो मोटरसाइकिल के पार्ट्स बरामद किए हैं।

यह है मामला

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि पवई थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह व एसएसआई चंद्रशेखर सिंह टीम के साथ चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान राजेन्द्र राजभर उर्फ राजू उर्फ पप्पू पुत्र रामसिंगार राजभर निवासी लोनरा प्रतापपुर थाना अखंडनगर जनपद सुल्तानपुर को चोरी के वाहन संग पकड़ा। अभियुक्त ने मोटरसाइकिल लगभग एक माह पूर्व शाहगंज तहसील से चोरी किया था। लोगों को धोखा देने के लिए फर्जी तरीके से नंबर प्लेट की कूटरचना करके दूसरा फर्जी नंबर प्लेट लगाकर बेचने के लिए जा रहा था। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह मोटरसाइकिल चोरी करके पवई शीतला माता मंदिर के पीछे रामबेचन बिंद पुत्र ठाकुरदीन बिंद निवासी दनियालपुर थाना पवई की कबाड़ की दुकान पर पांच हजार रुपये में बेचता है। यदि कोई सीधा सज्जन व्यक्ति मिल जाता है तो उसे भी नंबर प्लेट बदलकर बेच देता है। पकड़े गए आरोपी ने बताया कि सुल्तानपुर, अंबेडकर नगर और जौनपुर जनपद से मोटरसाइकिल को चोरी करके रामबेचन बिंद को बेचा है। अभियुक्त राजेन्द्र राजभर की निशानदेही पर रामबेचन बिंद की दुकान के बेसमेंट से नौ मोटरसाइकिल तथा दो कटी हुई मोटर साइकिल के पार्ट्स बरामद हुए। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

चचेरे देवर ने कुल्हाड़ी से वार कर की महिला की हत्या, ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

सोनभद्र, संवाददाता। सोनभद्र जिले के अनपरा थाना क्षेत्र के बैरपान गांव में बुधवार को चचेरे देवर ने महिला की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। उसने खुद को भी घायल करने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। मौके पर पहुंची पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

यह है मामला

कुलडोमरी ग्राम पंचायत के बैरपान टोला निवासी संगीता यादव (30) पत्नी रविशंकर यादव बुधवार को घर में अकेली थी। वह घर का काम कर रही थी। आरोप है कि इसी दौरान अचानक महिला के चचेरे देवर करोड़पति यादव वहां पहुंचा और कुल्हाड़ी से महिला के गले पर वार कर दिया। महिला की चीख–पुकार सुनकर पड़ोसी दौड़कर वहां पहुंचे, तब तक महिला ने दम तोड़ दिया था। ग्रामीणों ने करोड़पति को कमरे में बंद कर घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी पंकज पांडेय ने शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की। कमरे में बंद आरोपी करोड़पति को हिरासत में ले लिया। सीओ पिपरी अमित कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली। एएसपी कालू सिंह ने बताया कि महिला की कुल्हाड़ी से वारकर हत्या की गई है। आरोपी चचेरे देवर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि उसने किन कारणों से घटना को अंजाम दिया। पुलिस जांच में जुटी हुई है।

विकास खंड सरोजिनी नगर की ब्लाक कार्यकारिणी का चुनाव सम्पन्न हुआ

मृत्युंजय प्रताप सिंह

उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जनपद शाखा लखनऊ की ब्लाक कार्यकारिणी 2024,–25 का द्विवार्षिक चुनावी अधिवेशन आज दिनांक–25/09/2024 को पूर्व प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत विकासखंड खंड सरोजिनी नगर ब्लाक के सभागार में संघ चुनाव अधिकारी –श्री मयंक धजिला मंत्री,उनके साथ रहे सह चुनाव अधिकारी धर्म प्रकाश कुशवाहा,एवं संदीप कुमार द्वारा कुल 05 पदों पर नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ कराते हुए संपन्न कराया गया जिसमें 1–ब्लाक अध्यक्ष 2–ब्लाक मंत्री पद पर मतदान के माध्यम कर्मचारियों ने अपना नेता चुना । जबकि ब्लाक कोषाध्यक्ष–ब्लॉक संगठन मंत्री तथा , ब्लाक संप्रेक्षक पद निर्विरोध रहे । अध्यक्ष पद पर श्री मनोज कुमार भारती को 56 मत मिले जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी अशोक कुमार पाण्डेय को 13 मत मिले । ब्लाक मंत्री पद पर श्री सुनील कुमार को 38 मत प्राप्त हुए जबकि उनके प्रतिद्वंदी श्री संदीप मौर्य को 32 मत पड़े 1 मत अवैध रहा। इस प्रकार श्री मनोज । संप्रेक्षक पद पर राममिलन वर्मा (निर्विरोध) निर्वाचित हुए। सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को चुनाव अधिकारी (मयंक) द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया । संघ के प्रदेश अध्यक्ष

कुमार भारती ब्लॉक अध्यक्ष पद पर विजयी घोषित हुए, मंत्री पद पर श्री सुनील कुमार ने जीत हासिल की तथा ब्लॉक कोषाध्यक्ष पर विजय कुमार निर्विरोध रहे संगठन मंत्री पद पर राजेंद्र प्रसाद निर्विरोध रहे बसंत लाल गौतम ने सभी पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई । इस प्रकार निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से समस्त कर्मचारियों पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में शांति पूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई। सभी विजयी प्रत्याशीयों को संघ के प्रदेश अध्यक्ष बसंत लाल गौतम द्वारा शुभकामनाएं दी गई ।'उक्त चुनावी प्रक्रिया संघ के जिला अध्यक्ष राम किशन एवं जिला मंत्री मयंक के निर्देशों के क्रम में संपन्न कराई गई। सभी नव – निर्वाचित ब्लाक कार्यकारिणी को संघ के (जिला अध्यक्ष – रामकिशन) (जिला मंत्री – मयंक)(जिला कोषाध्यक्ष – धर्म प्रकाश कुशवाहा) (जिला संप्रेक्षक– श्री भगवान (जिला कार्यवाहक अध्यक्ष/मंडल अध्यक्ष पवन वाल्मीकि) (मंडल मंत्री प्रवीण भारती) (जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू भारती) जिला उपाध्यक्ष वेद प्रकाश, विनय कुमार, जिला संयुक्त मंत्री संदीप कुमार, जिला उपाध्यक्ष सनी सिंह , जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र गौतम एवं जिला उपाध्यक्ष शिवराज सहित समस्त जिला कार्यकारिणी ने जीत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

छात्राओं को खून से लथपथ तड़पता देख भड़क गए ग्रामीण

प्रयागराज, संवाददाता। मेजा में बेकाबू डंपर द्वारा छात्राओं को रौंदने के बाद मची चीखपुकार सुन मौके पर पहुंचे ग्रामीण खून से लथपथ छात्राओं को देखकर भड़क उठे। इसके बाद उन्होंने डंपर को आग के हवाले कर दिया। इंस्पेक्टर और दरोगा समझाते रह गए लेकिन ग्रामीणों ने एक न सुनी। उनमें चालक के मौके से भाग निकलने को लेकर भी भारी आक्रोश था। बाद में उसे हिरासत में लिए जाने की जानकारी पर वह शांत हुए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के बाद छात्राओं में चीखपुकार मच गई। आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े और वहां पहुंचकर देखा कि एक छात्रा मृत पड़ी है। जबकि अन्य छात्राएं खून से लथपथ पड़ीं तड़प रही थीं। यह देख ग्रामीण भड़क उठे। वह डंपर की ओर बढ़ने लगे तो मौके पर मौजूद इंस्पेक्टर मेजा व दरोगाओं ने उन्हें रोकने की कोशिश की। हालांकि, आक्रोशित लोगों ने उनकी एक न सुनी। तब तक मौके पर एसीपी मेजा रवि कुमार गुप्ता भी पहुंच गए। उन्होंने समझाना चाहा तो भीड़ में शामिल लोगों ने पहले नोकझोंक और फिर धक्कामुक्की की। इसके बाद पुलिस देखती रह गई और भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने पुलिस के सामने डंपर में आग लगा दी। पुलिसकर्मी पानी फेंकने लगे तो उन्हें रोक दिया। फायरब्रिगेड पहुंची तो उसे भी रोकने की कोशिश की। घटनास्थल के पास ही सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। बाद में बहुत समझाने पर शांत हुए। सड़क हादसे में डंपर के नीचे नौवीं की छात्रा सिमरन का हाथ दब गया। 36 मिनट की मशक्कत के बाद पुलिस छात्रा को निकाल सकी।

बीएचयू में पहली बार होगा लार ग्रंथि, सांस की नली सिकुड़ने का दूरबीन विधि से सर्जरी

वाराणसी, संवाददाता। आईएमएस बीएचयू में पहली बार लार ग्रंथि और सांस की नली सिकुड़ने दूरबीन विधि से सर्जरी की जाएगी। इससे न केवल मरीजों के आपरेशन के दौरान चीरा लगाने से छुटकारा मिलेगा बल्कि सर्जरी के दौरान उनका समय भी बचेगा। ईएनटी डिपार्टमेंट की ओर से आयोजित तीन दिवसीय अधिवेशन के पहले दिन 27 सितंबर को पहली सर्जरी की जाएगी। ईएनटी विशेषज्ञों के संगठन के उत्तर प्रदेश शाखा के अधिवेशन के आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर राजेश कुमार, सचिव प्रोफेसर विशंभर सिंह ने बताया कि 27 से 29 सितंबर तक तीन दिनों तक चलने वाले अधिवेशन में यूपी, बिहार,झारखंड, मध्य प्रदेश समेत 20 राज्यो से 40 विशेषज्ञ सहित 300 से ज्यादा प्रतिभागी शामिल होंगे। अधिवेशन में मेडिकल छात्रों को नई तकनीकी से ऑपरेशन देखने और सीखने को मिलेगा। इसके साथ ही साथ कैडेवर (मृत शरीर) में सीखने एवं प्रयोग करने का अवसर और शोध का कार्य किया जाएगा। देश के अलग अलग जगहों से आए हुए विशेषज्ञ कान, नाक, गला की बीमारियों पर चर्चा करेंगे।

ओटी में होगी सर्जरी, केएन उडुप्पा सभागार में देखेंगे प्रतिभागी

आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर राजेश कुमार,सचिव प्रोफेसर विश्वंभर सिंह ने बताया कि अधिवेशन के दौरान ऑपरेशन थिएटर में सर्जरी की जाएगी जिसका किरण रूप सभागार में प्रसारण भी प्रतिभागी देख सकेंगे।

इसमें आधुनिक तरीके से गले में थायराइड ग्रंथि के गांठ का ऑपरेशन, नाक का साइनस, कान से सुनाई न देने का ऑपरेशन, नाक के रास्ते दिमाग का ऑपरेशन, कान की हड्डी के गलने का ऑपरेशन, लार की ग्रंथि का बिना ऑपरेशन के इलाज और सांस की नली के सिकुड़ने का बिना चीरा के ऑपरेशन, टॉन्सिल और एडिनॉइड का आधुनिक विधि द्वारा ऑपरेशन कर इसका सजीव प्रसारण भी किया जाएगा।

चोर-चोर कहकर सिपाहियों को पीटा

गाजीपुर, संवाददाता। आरपीएफ के दो सिपाहियों की हत्या का मुख्य आरोपी मो. जाहिद उर्फ सोनू (26) सोमवार की रात पुलिस की मुठभेड़ में ढेर हो गया। मो. जाहिद यूपी से शराब ले जाकर विहार में तस्करी करता था। उसने गैंग बना रखा था। घटना वाली रात उसने अपने साथियों के साथ मिलकर आरपीएफ के दोनों सिपाहियों की चोर–चोर कहते हुए बेल्ट से पिटाई कर दी थी, फिर उनके कपड़े उतरवा लिए थे। इसके बाद चलती ट्रेन से पैर से धक्का देकर नीचे फेंक दिया था, जिसमें दोनों सिपाहियों की मौत हो गई थी। 19 अगस्त 2024 को घटना वाली रात शराब तस्कर अलग– अलग ग्रुप में बाडमेर–गुवाहाटी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 15621) ट्रेन में चढ़े थे। इनमें मो. जाहिद भी था, जो घटना वाले दिन शराब लेने के लिए अलीनगर मुगलसराय चंदौली गया था, जहां से वह तस्करी के लिए ठेके से शराब लेता था। शराब लेने के बाद वह अपने साथियों के साथ रेलवे स्टेशन पहुंचा। ट्रेन चलने के कुछ समय बाद गैंग ने चेन पुलिंग कर दी। इस पर आरपीएफ के आरक्षी जावेद खान और प्रमोद कुमार मौके पर पहुंच गए। चेन पुलिंग एवं शराब तस्करी का विरोध करने लगे। गिरफ्तारी के डर से गैंग के बदमाशों ने चोर–चोर करते हुए दोनों आरक्षियों की बेल्ट से पिटाई कर दी, उनके कपड़े उतरवा लिए और फिर चलती ट्रेन से उनको बाहर फेंक दिया। डॉ. ईरज राजा ने बताया कि गैंग के और सक्रिय बदमाश हैं, जो ट्रेन से शराब तस्करी कर रहे हैं। इन पर नजर रखी जा रही है। जल्द ही इन पर कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे के कुछ कर्मचारियों से थी साठगांठ

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मो. जाहिद चुनिंदा ट्रेनों से झोले और बैग में शराब भरकर यूपी से बिहार ले जाता था। उसने रेलवे के कुछ कर्मचारियों से साठगांठ कर रखी थी। कुछ सुरक्षा कर्मी, टीईटी से लेकर पैंट्रीकार में रहने वाले कर्मचारी भी शामिल हैं, जो जांच में सामने आ रहे हैं। आरोपी लोकेशन लेने के बाद उन ट्रेनों में ही ज्यादा जाते हैं, जो मुगलसराय से सीधे पटना जाती हैं। एक तस्कर अपने पास अधिकतम नौ– दस लीटर शराब रखते थे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।